DELHI CRIME 13 may 2022:Layout 1 5/12/2022 8:25 PM Page 1

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र विचार व अपराध निरोधक मुख्य हिन्दी राष्ट्रीय समाचार पत्र

दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा

DELHI CRIME WA BHRASHTACHAR VIRODHI MORCHA

Website- Delhicrimepress.in
Email-info@delhicrimepress.in

RNI No. DELHIN/2005/15378 | DCP Lic. No. F-2(D-9)PRESS/2005 | वर्ष-01 | शुक्रवार 13 मई 2022 | पीडीएफ अंक-23 | पृष्ठ-8 | मूल्य-निःशुल्क

मौसम

अधिकतम –44 | सूर्योदय – 5 : 31
न्यूनतम – 29 | सूर्यास्त – 7 : 03

सोना चांदी

सोना – 52730.00 प्रति 10 ग्र चांदी – 60400.00 किलो

अर्थसार

सैंसेक्स – 52930.31 | निफ्टी – 15808.00
रु/यूएस डॉलर – 77.36 | रु/यूरो – 80.48

न्यूज फ्लैश

100 प्रतिशत वैक्सीनेशन में भी गोवा राज्य पहले नंबर पर

गोवा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा कि गोवा में भाजपा के दूसरे कार्यकाल में हम बुनियादी ढांचे के विकास और मानव विकास के लिए काम कर रहे हैं। कोरोना काल में भी आत्मनिर्भर भारत योजना को 100 प्रतिशत लागू करने के लिए हमारी पूरी कोशिश रही। 100 प्रतिशत वैक्सीनेशन में भी गोवा राज्य पहले नंबर पर रहा। हम सभी सरकारी योजनाओं के पूर्ण कार्यान्वयन के लिए प्रयास कर रहे हैं। सीएम सावंत ने कहा कि कोरोना मुक्त राज्य का मान भी गोवा को मिला। प्रधानमंत्री जी की तरफ से शुरू आत्मनिर्भर भारत योजना की सभी योजनाओं को लागू करने वाला गोवा राज्य पहला है। मुझे लगता है कि इसी तरह का विकास तेलंगाना को भी चाहिए और इसके लिए यहां भी भाजपा की सरकार जरूरी चाहिए।

विदेश जाने वाले लोग ले सकेंगे एहतियाती खुराक : डॉ. मनसुख मंडाविया

नई दिल्ली। विदेश यात्रा करने वाले छात्र अब गंतव्य देश के दिशानिदेशों के अनुसार आवश्यक एहतियाती खुराक ले सकते हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनुसख मंडाविया ने ट्वीट करके कहा कि भारत के नागरिक और छात्र जो विदेश जा रहे हैं, अब गंतव्य देश की गाइडलाइंस के हिसाब से एहतियाती डोज ले सकते हैं। यह सुविधा जल्द ही कोविन पोर्टल पर मुहैया हो जाएगी। बता दें कि टीकाकरण पर गठित कमेटी एनटीएजीआई ने सिफारिश की है कि जिन लोगों के लिए विदेश यात्रा करना जरूरी है वह उसकी जरूरतों के अनुसार नौ महीने की प्रतीक्षा अवधि से पहले भी एहतियाती खुराक लगवा सकते हैं। भारत में इस साल 10 जनवरी को हेल्थकेयर और अग्रिम मोर्चे के कर्मचारियों समेत 60 वर्ष से अधिक आयु के और गंभीर बीमार बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए कोरोना वायरस रोधी टीके की एहतियाती या बूस्टर खुराक लगाने की शुरूआत की गई थी।

मालगाड़ी के 13 डिब्बे पटरी से उतरे, दूसरी गाड़ियों की आवाजाही प्रभावित

नई दिल्ली। दिल्ली के तिलक ब्रिज और निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन के बीच मालगाड़ी के 13 डिब्बे पटरी से उतर गए। हादसे के बाद रूट पर कई ट्रेनें देरी से चल रही हैं। जानकारी के अनुसार मालगाड़ी बीटीपीएन (बोगी टैंक पेट्रोल और नेफ्था) से लदी थी। फिलहाल मामले के संबंध में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। रूट को भी सामान्य किया जा रहा है। वहीं इससे पहले कोयले से लदी मालगाड़ी के 13 डिब्बे पटरी से उतरे थे। रेलवे के सबसे व्यस्त मार्गों में से एक दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में ये हादसा हुआ था। कोयले संकट के बीच इस तरह के हादसों के कारण रेलवे को कई फेरों को रद्द करना पड़ता है। खासतौर पर डेडीकेटेड कॉरिडोर पर यह हादसे अन्य माल गाड़ियों की आवाजाही को बेहद प्रभावित करते हैं। इसके बाद जब रेलवे लगातार कोयले की पूर्ति के लिए फेरों में बढ़ोतरी कर रही है उस समय ऐसा हादसा बिजली संकट और कोयले की कमी को और बढ़ा सकता है। गौरतलब है कि दिल्ली-हावड़ा रूट देश के सबसे व्यस्तम रेलवे मार्गो में से एक है। इसी रूट से अधिकतर गाड़ियां कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी होते हुए बिहार व बंगाल तक जाती हैं। वहीं मालगाड़ी के जरिए ज्यादा से ज्यादा कोयले की सप्लाई की जा रही है। वहीं, रेलवे बिजली संयंत्रों को कोयला पहुंचाने के लिए प्रति दिन औसतन 498 रैक उपलब्ध करा रहा है। इस बीच खबर आ रही है कि इनमें से सिर्फ 417 रैक का ही इस्तेमाल किया जा रहा है। यह आंकड़ा उस समय आया है, जब कुछ कोयला आधारित बिजली संयंत्र ईंधन आपूर्ति के मुद्दे से जूझ रहे हैं। रेलवे ने इस साल कोयला रैक के लिए प्रतिदिन औसतन 26,386 वैगन उपलब्ध कराए हैं,जबकि 2020-21 में यह संख्या 21,824 वैगन थी। इस साल 10 मई को रेलवे ने वैगन की संख्या बढ़ाकर 29,283 और 11 मई को 29,944 कर दी थी।

ज्ञानवापी मस्जिद मामले में कोर्ट ने 17 मई से पहले दोबारा सर्वे का आदेश दिया, नहीं बदलेगा कमिश्नर

वाराणसी। बनारस स्थित विश्वनाथ मंदिर से लगी ज्ञानवापी मस्जिद मामले में सर्वे के लिए नियुक्त कोर्ट कमिश्नर को बदलने की मांग वाली याचिका पर गुरुवार को फैसला आ गया। कोर्ट ने 17 मई से पहले दोबारा सर्वे का आदेश दिया है। कोर्ट कमिश्नर भी नहीं बदला जाएगा। लगातार तीन दिन तक दोनों तरफ की बहस के बाद बुधवार को सिविल जज (सीनियर डिविजन) की अदालत में फैसला सुरक्षित कर लिया था। कोर्ट ने आदेश दिया है कि मस्जिद समेत पूरे परिसर का सर्वे होगा। कोर्ट कमिश्नर की कार्यवाही जारी रहेगी। कोर्ट कमिश्नर अजय मिश्र को नहीं बदला जाएगा। विशाल सिंह को विशेष कमिश्नर बनाया गया है। जो पूरी टीम का नेतृत्व करेंगे। उनके साथ अजय प्रताप सिंह को भी शामिल किया गया है। वादी पक्ष के अधिवक्ता ने कोर्ट से अपील की कि चाबी जिस किसी के पास हो, उससे ज्ञानवापी मस्जिद का तहखाना खुलवाएं या ताला तुड़वाएं। कोर्ट कमीशन को अंदर प्रवेश कराकर सर्वे पूरा कराया जाय। वहीं, विपक्षी अधिवक्ता ने सन-1937 के निर्णय का हवाला देते हुए कहा कि मस्जिद का कोर्ट यार्ड वक्फ बोर्ड की संपत्ति है तो उसका सर्वे कैसे हो सकता है। इस प्रकरण में पहली बार काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के अधिवक्ता ने भी अपना पक्ष रखा। बुधवार को वादी अधिवक्ता सुधीर कुमार त्रिपाठी ने कहा था कि कोर्ट कमिश्नर अपना कार्य निष्पक्षता से कर रहे थे। विपक्षी अंजुमन इंतजामिया कमेटी की ओर से इस सर्वे को बाधित करने की नीयत से अर्जी दी गई है जो कहीं से उचित नहीं है। राखी के अधिवक्ता शिवम गौड़ ने न्यायालय को इसी प्रकरण में 21 अप्रैल के हाईकोर्ट के आदेश की प्रति सौंपते हुए कहा कि विपक्षी अंजुमन इंतजामिया कमेटी ने सर्वे की कार्यवाही रोकने के लिए अर्जी दी थी, लेकिन अदालत ने उसे खारिज कर दिया था। अब विपक्षी अधिवक्ता कोर्ट कमिश्नर की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे है, जो उचित नहीं है। उन्होंने अदालत से कहा विपक्षी की आपत्ति कोर्ट कमिश्नर की कार्यवाही रोकने के लिए बाध्य नहीं है।

2014 में देश की आधी आबादी शौचालय, बिजली कनेक्शन और बैंक खाते की सुविधा से थी वंचित : प्रधानमंत्री मोदी

- सरकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन होने पर तुष्टीकरण की राजनीति समाप्त हो जाती है

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी सरकार के आठ वर्षों के कार्यकाल को गरीब कल्याण को समर्पित बताते हुए कहा कि 2014 में भाजपा के सत्ता में आने पर देश की आधी आबादी शौचालय, बैंक खाते, बिजली कनेक्शन और टीकाकरण जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित थी। उन्होंने कहा कि इन वर्षों में हम सभी के प्रयासों से अनेक योजनाओं को शत प्रतिशत सैचुरेशन के करीब ला पाए हैं। प्रधानमंत्री मोदी गुरुवार को गुजरात के भरूच में आयोजित 'उत्कर्ष समारोह' को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम जिले में राज्य सरकार की चार प्रमुख योजनाओं के 100 प्रतिशत पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि आज का ये उत्कर्ष समारोह इस बात का प्रमाण है कि जब सरकार ईमानदारी से, एक संकल्प लेकर लाभार्थी तक पहुंचती है, तो कितने सार्थक परिणाम मिलते हैं। तुष्टीकरण की राजनीति को लेकर प्रधानमंत्री ने कहा कि जब सरकारी योजनाएं जनता के लाभ के लिए शत प्रतिशत कवरेज प्राप्त करती हैं, तो तुष्टिकरण की राजनीति समाप्त हो जाती है। इससे लोगों के साथ समान व्यवहार होता है। उन्होंने कहा, देश ने शत प्रतिशत लाभार्थियों तक पहुंचने का संकल्प लिया है। जब शत प्रतिशत पहुंचते हैं तब सबसे पहला मनोवैज्ञानिक परिवर्तन आता है वो बहुत महत्वपूर्ण है। उसमें देश का नागरिक याचक की अवस्था से बाहर निकल जाता है। उन्होंने आगे कहा, शत-प्रतिशत लाभार्थियों की कवरेज यानि हर मत, हर पंथ हर वर्ग को एक समान रूप से सबका साथ, सबका विकास। गरीब कल्याण की हर योजना से कोई छूटे ना, कोई पीछे ना रहे। एक राजनीतिक विरोधी से संवाद का हवाला देते प्रधानमंत्री ने कहा कि दो बार प्रधानमंत्री बनना नहीं बल्कि योजनाओं का शत प्रतिशत सैचुरेशन उनका लक्ष्य है। प्रधानमंत्री ने कहा, मैंने पहले भी कहा कि ऐसे काम कठिन होते हैं, राजनेता भी उन पर हाथ लगाने से डरते हैं। लेकिन मैं राजनीति करने के लिए नहीं, देशवासियों की सेवा करने के लिए आया हूं। देश ने संकल्प लिया है, शत-प्रतिशत लाभार्थियों तक पहुंचने का। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सामाजिक सुरक्षा, जन कल्याण और गरीब की गरिमा के लिए है। गरीब की गरिमा के लिए संकल्प और गरीब की गरिमा के संस्कार, यही तो हमें प्रेरित करते हैं। आम लोगों में सरकारी योजनाओं की जानकारी के अभाव का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अक्सर जानकारी के अभाव में अनेक लोग योजनाओं के लाभ से वंचित रह जाते हैं। कभी-कभी योजनाओं कागज पर रह जाती हैं। लेकिन जब इरादा साफ हो, नीति साफ हो, नेकी से काम करने का इरादा हो, सबका साथ-सबका विकास की भावना हो, तो इससे नतीजे भी मिलते हैं। सरकार के आठ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली से देश की सेवा करते हुए मुझे 8 साल पूरे हो रहे हैं। ये 8 वर्ष सेवा सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहे। उन्होंने कहा, 2014 में जब आपने हमें सेवा का मौका दिया था तो देश की करीब-करीब आधी आबादी शौचालय की सुविधा से, टीकाकरण की सुविधा से, बिजली कनेक्शन की सुविधा से, बैंक अकाउंट की सुविधा से वंचित थी। इन वर्षों में हम, सभी के प्रयासों से अनेक योजनाओं को शत प्रतिशत सैचुरेशन के करीब ला पाए हैं।

उत्तर प्रदेश के सभी मदरसों में अनिवार्य हुआ राष्ट्रगान

लखनऊ। यूपी के सभी 16461 मदरसों में अब प्रतिदिन राष्ट्रगान का गायन अनिवार्य कर दिया गया है। यह व्यवस्था गुरुवार से ही लागू कर दी गयी है। जारी आदेश के तहत राज्य के सभी मान्यता प्राप्त अनुदानित और गैर अनुदानित मदरसों में आगामी शिक्षण सत्र से कक्षाएं शुरू होने से पहले अन्य दुआओं के साथ समवेत स्वर में शिक्षकों और छात्र-छात्राओं को राष्ट्रगान का गायन अनिवार्य रूप से करना होगा। उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड के रजिस्ट्रार एसएन पांडे द्वारा बीती नौ मई को सभी जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारियों को इस सन्दर्भ में आदेश जारी कर दिया गया है। आदेश में कहा गया है कि पिछली 24 मार्च को बोर्ड की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुरूप नये शिक्षण सत्र से सभी मदरसों में प्रार्थना के समय राष्ट्रगान अनिवार्य कर दिया गया है। रमजान माह के दौरान मदरसों में 30 मार्च से 11 मई तक अवकाश घोषित था और 12 मई से नियमित कक्षाएं शुरू हुईं लिहाजा यह आदेश आज 12 मई 2022 से लागू हो गया है। आदेश में यह भी कहा गया है कि राज्य के सभी मान्यता प्राप्त अनुदानित और गैर अनुदानित मदरसों में आगामी शिक्षण सत्र से कक्षाएं शुरू होने से पहले अन्य दुआओं के साथ समवेत स्वर में शिक्षकों और छात्र-छात्राओं को राष्ट्रगान का गायन अनिवार्य रूप से करना होगा।

जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारियों को इस आदेश का पालन सुनिश्चित कराने के लिए नियमित रूप से निगरानी करनी होगी। विदित हो कि उत्तर प्रदेश में इस वक्त कुल 16461 मदरसे हैं, जिनमें से 560 को सरकार से अनुदान प्राप्त होता है।

झारखंड हाई कोर्ट से राहुल गांधी को राहत, अगली सुनवाई 26 सितंबर को

रांची। झारखंड हाई कोर्ट से गुरुवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी को बड़ी राहत मिली है। हाई कोर्ट ने राहुल गांधी की ओर से दायर क्वैशिंग याचिका पर सुनवाई करते हुए उनके खिलाफ किसी भी तरह की पीड़क कार्रवाई पर रोक लगाने का आदेश दिया है। इसके साथ अदालत ने निचली अदालत की कार्रवाई पर भी रोक लगा दी है और याचिककर्ता को नोटिस जारी किया है। हाई कोर्ट ने इस मामले में राज्य सरकार को भी जवाब दाखिल करने के निर्देश दिया है। अब राहुल गांधी से जुड़े मामले की अगली सुनवाई 26 सितंबर को होगी। राहुल गांधी की ओर से हाई कोर्ट के अधिवक्ता पीयूष चित्रेश ने जस्टिस संजय द्विवेदी के कोर्ट में पक्ष रखा। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को रांची सिविल कोर्ट ने समन जारी किया था। इसके खिलाफ राहुल गांधी की ओर से झारखंड हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की गयी है।

राहुल की ओर से दाखिल याचिका में समन के साथ ही मामले को खारिज करने की अपील की गई है। राहुल गांधी को सभी मोदी चोर वाले बयान पर निचली अदालत ने समन जारी किया था। समन में राहुल गांधी को अदालत में हाजिर होने का आदेश कोर्ट ने दिया था।

राज्यसभा की 57 सीटों के लिए 10 जून को होगा मतदान

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने गुरुवार को 15 राज्यों की 57 राज्यसभा सीटों पर होने वाले द्विवार्षिक चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। इन सभी सीटों के लिए 10 जून (शुक्रवार) को मतदान होगा और उसी दिन नतीजे आएंगे। यह सीटें जून और अगस्त के बीच अलग-अलग तारीखों पर सदस्यों के सेवानिवृत्त होने के कारण खाली होंगी। इस सीटों से सेवानिवृत्त होने वालों में केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी, निर्मला सीतारमण, पीयूष गोयल, कांग्रेस नेता अंबिका सोनी, पी चिदंबरम, जयराम रमेश और कपिल सिब्बल और बसपा के सतीश चंद्र मिश्रा प्रमुख हैं। चुनाव आयोग के अनुसार आंध्र प्रदेश से चार, तेलंगाना से दो, छत्तीसगढ़ से दो, मध्य प्रदेश से तीन, तमिलनाडु से छह, कर्नाटक से चार, ओडिशा से तीन, महाराष्ट्र से छह, पंजाब से दो, राजस्थान से चार, उत्तर प्रदेश से 11, उत्तराखंड से एक, बिहार से पांच, झारखंड से दो और हरियाणा से दो सदस्यों का कार्यकाल जून या अगस्त में समाप्त हो रहा है।

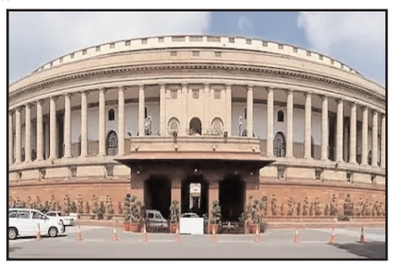

इन सभी सीटों के लिए 24 मई को अधिसूचना जारी होगी। 10 जून को मतदान होगा। जूलाई एवं अगस्त में जिन राज्यसभा सदस्यों को कार्यकाल समाप्त हो रहा है उनके नाम इस प्रकार हैं- आंध्र प्रदेश से प्रभु सुरेश प्रभाकर, टी.जी. वेंकटेश, यलमंचिली सत्यनारायण चौधरी, वेणुंबका विजय साई रेड्डी; तेलंगाना से लक्ष्मीकांत राव, श्रीनिवास धर्मपुरी; छत्तीसगढ़ से छाया वर्मा, रामविचार नेताम; मध्य प्रदेश से विवेक तन्खा, मोबशर जावेद अकबर, संपतिया उइके; तमिलनाडु सो टी.के.एस. एलंगोवन, ए नवनीतकृष्णन, आर.एस. भारती, एस.आर. बालासुब्रमण्यम, ए विजयकुमार, के.आर.एन. राजेशकुमार; कर्नाटक के.सी. राममूर्ति, जयराम रमेश, ऑस्कर फर्नांडीस (13.09.2021 से रिक्त), निर्मला सीतारमण; ओडिशा से नेकांति भास्कर राव, प्रसन्ना आचार्य, सस्मित पात्रा; महाराष्ट्र से पीयूष गोयल, पी चिदंबरम, प्रफुल्ल पटेल, विकास हरिभाऊ महात्मे, संजय राउत, विनय सहस्त्रबुद्धे; पंजाब से अंबिका सोनी, बलविंदर सिंह; राजस्थान से ओमप्रकाश माथुर, अल्फोंस कन्ननथनम, रामकुमार वर्मा, हर्षवर्धन सिंह डूंगरपुर; उत्तर प्रदेश से रेवती रमन सिंह, सुखराम सिंह, सैयद जफर इस्लाम, विशंभर प्रसाद निषाद, कपिल सिब्बल, अशोक सिद्धार्थ, जय प्रकाश, शिव प्रताप, सतीश चंद्र मिश्र, संजय सेठ, सुरेंद्र सिंह नागर; उत्तराखंड से प्रदीप टम्टा; बिहार से गोपाल नारायण सिंह, सतीश चंद्र दुबे, मीसा भारती, रामचंद्र प्रसाद सिंह, शरद यादव (04.12.2017 से रिक्त); झारखंड से महेश पोद्दार, मुख्तार अब्बास नकवी; हरियाणा से दुष्यंत गौतम, सुभाष चंद्र।

महाराष्ट्र में यूपी सरकार का दफ्तर खोलने को लेकर शुरू हुई राजनीति

मुंबई। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी सरकार ने महाराष्ट्र में यूपी सरकार का दफ्तर खोलने का ऐलान किया है। इसपर प्रतिक्रिया देकर महाराष्ट्र सरकार में मंत्री जयंत पाटिल ने यूपी सरकार की इस घोषणा को अनावश्यक बताया और साथ में मनसे व भाजपा के बीच बढ़ती नजदीकियां और महाराष्ट्र में होने वाले बीएमसी चुनाव का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि जो लोग महाराष्ट्र में रह रहे हैं उन्हें इस तरह की एंबेसी (दूतावास) की जरूरत नहीं है। इसके अलावा पाटिल ने कहा कि मुंबई में यूपी सरकार का दफ्तर खोलने का यह कदम बीएमसी चुनाव से पहले आया है। लेकिन यूपी और बिहार के लोग यहां खुद को सुरक्षित मानते हैं। पाटिल ने आरोप लगाकर कहा कि भाजपा इन दिनों महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के साथ बैठक कर रही है। इस दौरान भाजपा को बीएमसी चुनाव में कुछ धोखा नजर आ रहा है, जिसके चलते वे मुंबई में इसतरह के कार्यालय खोल रहे हैं। सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि मुंबई में जो उत्तर प्रदेश के प्रवासी लोग रहते हैं, उन्हें यूपी टूरिज्म सहित कई अन्य क्षेत्रों में इन्वेस्ट करने के लिए मोटिवेट कर सकते हैं। इसके अलावा प्रवासी लोग कार्यालय से यूपी में नौकरी और निवेश के अवसरों के बारे में भी पता लगा सकते हैं। वहीं महाराष्ट्र सरकार के मंत्री असलम शेख ने कहा कि इस तरह के कार्यालय की कोई जरूरत नहीं है। महाराष्ट्र के लोग लोगों का बड़ा दिल रखकर स्वागत करते हैं। बता दें कि बीते 9 मई को योगी सरकार ने यूपी के रहने वाले लोगों की भलाई की देखभाल करने के लिए मुंबई में एक कार्यालय खोलने का ऐलान किया था। वहीं कैबिनेट मंत्री और सीएम उद्धव ठाकरे के सुपुत्र आदित्य ठाकरे ने भी योगी सरकार की घोषणा पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ये नया पैटर्न है लेकिन हर राज्य एक-दूसरे के संपर्क में हैं। राज्य में प्रवासी संकट क्यों आया था, यह हम सभी जानते हैं। लेकिन हमने उनके रहने, खाने और स्वास्थ्य सुविधा की व्यवस्था करायी।

स्कूलों में होगा युवा पर्यटन क्लब, सीबीएसई ने दिए निर्देश

नई दिल्ली। पर्यटन मंत्रालय ने आजादी का अमृत महोत्सव समारोह के हिस्से के रूप में युवा पर्यटन क्लब स्थापित करने की पहल की है। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पर्यटन मंत्रालय की इस पहल का समर्थन करने के लिए आगे आया है और उसने सीबीएसई से संबद्ध सभी स्कूलों को युवा पर्यटन क्लब के गठन के संबंध में निर्देश जारी किए हैं। इस संबंध में केन्द्रीय पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि युवा भारत और इसकी समृद्ध सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं प्राकृतिक विरासत के सर्वश्रेष्ठ राजदूत हैं। विभिन्न स्कूलों में स्थापित किए जा रहे युवा पर्यटन क्लब राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देंगे और एक भारत, श्रेष्ठ भारत के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को आगे बढ़ायेंगे। रेड्डी ने कहा कि छात्र अब घरेलू पर्यटन स्थलों के बारे में जागरूक होंगे और पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए उपयुक्त उपकरणों से लैस होंगे। ये पर्यटन क्लब बच्चों को सांस्कृतिक पहलुओं के साथ-साथ अपने राज्य और आसपास के क्षेत्रों के बारे में अधिक जागरूक होने में मदद करेंगे। इन क्लबों के युवा सदस्य भारत की समृद्ध विविधता और इसके सभ्यतागत मूल्यों से परिचित होंगे। इससे उनमें राष्ट्र के प्रति लगाव की भावना बढ़ेगी। दूसरी ओर, जैसे-जैसे युवा पर्यटक राजदूत बनते जायेंगे, भारत दुनिया का पसंदीदा पर्यटन स्थल बनता जाएगा। इसका हमारी अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा। पर्यटन मंत्रालय ने स्कूलों के लिए पर्यटन क्लबों के संचालन से संबंधित पुस्तिका जारी की है। यह पुस्तिका विभिन्न गतिविधियों के संचालन से संबंधित विशिष्ट दिशा-निदेशों एवं सुझावों के साथ-साथ इसके उद्देश्यों एवं परिचालन संबंधी रणनीतियों को दोहराती है।

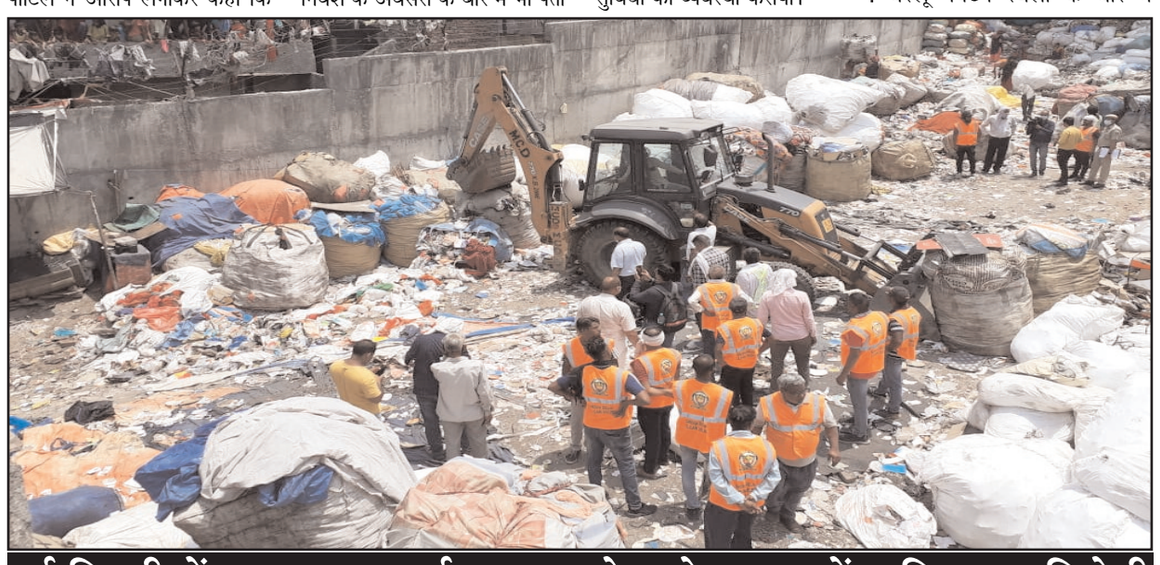

नई दिल्ली में गुरुवार 12 मई 2022 को करोल बाग में अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान एमसीडी कार्यकर्ता बुलडोजर का उपयोग करते हुए।

ग्रीन दिल्ली एप के जरिए ओपन बर्निंग की शिकायतों का हो रहा है निस्तारण : राय

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि ग्रीन दिल्ली एप के माध्यम से ओपन बर्निंग की शिकायतों का बड़ी संख्या में निस्तारण किया जा रहा है। राय ने गुरुवार को एक बयान जारी कर कहा कि एंटी ओपन बर्निंग अभियान को अगले एक महीने यानी 13 मई से 13 जून तक बढ़ाने के निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में समर एक्शन प्लान के तहत शुरू किए गए एंटी ओपन बर्निंग अभियान के पहले चरण (12 अप्रैल से 12 मई) की रिपोर्ट भी विभाग की ओर से जारी की गई है। इस अभियान के तहत 5241 स्थलों का निरीक्षण पूरा किया गया साथ ही 23 संस्थाओं को नोटिस और 06 लोगों का अभियोजन किया गया। उन्होंने कहा कि एंटी ओपन बर्निंग अभियान के तहत दिल्ली के विभिन्न जगहों पर 10 विभागों की 500 टीमें निरीक्षण कर रही हैं। यह टीमें 24 घंटे दिल्ली में ओपन बर्निंग की घटनाओं की निगरानी और रोकने के लिए त्वरित कदम उठाती रही हैं।

DELHI CRIME 13 may 2022:Layout 1 5/12/2022 8:25 PM Page 2

सम्पादकीय

समाज कल्याण के व्यापक आयाम

समाज कल्याण के व्यापक आयाम होते हैं। लोक कल्याणकारी सरकार से इन सभी पर एक साथ प्रयास करने की अपेक्षा रहती है। इस आधार पर सरकार के कार्यों का आकलन किया जाता है। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार ने इस दायित्व का बखूबी निर्वाह किया। यही कारण है कि ईज ऑफ लिविंग में उत्तर प्रदेश का ग्राफ बहुत ऊपर हुआ है। विगत पांच वर्षों के दौरान समाज कल्याण के सभी मोर्चों पर एक साथ प्रभावी कार्य किया गया। इस दौरान दो वर्ष तक कोरोना महामारी का प्रकोप रहा। आपदा की इस अवधि में समाज कल्याण के कार्यों की सर्वाधिक आवश्यकता थी। केंद्र व प्रदेश की सरकारों ने गरीबों के भरण-पोषण हेतु विश्व की सबसे बड़ी निःशुल्क राशन योजना लागू की। योगी आदित्यनाथ ने अपनी दूसरी पारी इस योजना की समय सीमा बढ़ाने के साथ की। उत्तर प्रदेश में विगत पांच वर्षों के दौरान व्यवस्था बदलाव के प्रभावी प्रयास किये गए। इसके चलते ईज ऑफ डूइंग बिजनेस से लेकर ईज ऑफ लिविंग की रैंकिंग में अभूतपूर्व मुकाम हासिल हुआ है। इसके पहले उत्तर प्रदेश का इस क्षेत्र में पिछड़ा माना जाता था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सर्वप्रथम प्रदेश की व्यवस्था को बदलने का कार्य किया। इसका सकारात्मक प्रभाव अनेक क्षेत्रों में दिखाई दे रहा है। ईज ऑफ लिविंग अभियान के अंतर्गत योगी आदित्यनाथ ने लोक भवन सभागार में ई पेंशन पोर्टल का शुभारंभ किया। पेंशनधारकों को यह सुविधा उपलब्ध कराने वाला यूपी देश का पहला राज्य है। सात वर्ष पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डिजिटल इंडिया अभियान शुरू किया था। इसके अंतर्गत देश में चालीस करोड़ जन-धन खाते खोले गए। व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के तकनीकी प्रयास किये गए। इससे जरूरतमंदों को सीधा व शत-प्रतिशत लाभ मिलना सुनिश्चित हुआ। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ ने भी व्यापक सुधार किए। इसके अनुरूप प्रदेश सरकार के वित्त विभाग ने ई-पेंशन पोर्टल का विकास किया। इससे पेंशन व्यवस्था को सुगम व पारदर्शी बनाया गया है। इस प्रक्रिया के अन्तर्गत पेंशनर को सेवानिवृत्त होने के छह माह पहले ही पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन और आवेदन करना है। रजिस्ट्रेशन करने के बाद आहरण एवं वितरण अधिकारी द्वारा पेंशनर के आवेदन की जांच कर 30 दिनों के अन्दर पेंशन पेमेण्ट ऑर्डर जारी करने वाले अधिकारी को अग्रसारित कर दिया जाएगा। पीपीओ जारी करने वाले अधिकारी द्वारा 30 दिनों के अन्दर पीपीओ जारी कर दिया जाएगा। पूरी प्रक्रिया सेवानिवृत्ति से तीन महीने पहले पूर्ण कर ली जाएगी। यहां से पेंशन के कागजात पूर्ण होने का संदेश आवेदनकर्ता के पास आ जाएगा। नियत तिथि को कोषागार द्वारा पेंशनर के खाते में पेंशन का ऑनलाइन भुगतान हो जाएगा। यह पोर्टल कॉन्टैक्टलेस है। कहीं जाने की आवश्यकता नहीं रहेगी। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करना है। शेष प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। यह पेपरलेस तथा कैशलेस है। पूरी प्रक्रिया सेवानिवृत्ति के छह माह पूर्व से शुरू होकर अपने आप पूरी हो जाएगी। यह सुविधा अनेक उपलब्धियों से भरी है। पेंशन के लिए किसी को भटकना नहीं पड़ेगा। इसी प्रकार दिव्यांग कल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किये गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकलांग की जगह दिव्यांग संबोधन का प्रयोग किया था। उनका कहना था कि शारीरिक रूप से अक्षम लोगों में कोई न कोई दिव्य प्रतिभा अवश्य होती है। अवसर मिलने से उनकी प्रतिभा में निखार आता है। जिससे वह समाज व के सामने अपनी क्षमता को प्रमाणित भी करते है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी इस विचार को आगे बढाते रहे हैं। इन प्रयासों से विकलांगों के प्रति समाज की धारणा बदल रही है। दिव्यांग शब्द में एक सम्मान का भाव है। अब यह शब्द प्रचलन में आ गया है। योगी आदित्यनाथ ने भारत की ऋषि परम्परा में ऋषि अष्टावक्र व महाकवि सूरदास का उल्लेख किया। कहा कि इन्होंने अपनी विलक्षण प्रतिभा से समाज को नई दिशा प्रदान की। उनकी भक्ति, विचार व साहित्य शाश्वत रूप में प्रासंगिक रहेंगे। भौतिक विज्ञानी स्टीफन हॉकिंस ने भी दिव्यांग शब्द को चरितार्थ किया है। उनकी दिव्य प्रतिभा को भी लोगों ने देखा व स्वीकार किया है। उन्होंने ब्रह्माण्ड के रहस्य पर महत्वपूर्ण शोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के पास कुछ न कुछ क्षमता अवश्य है। ह्यअयोग्यः पुरुषो नास्तिः। कुछ भी अयोग्य नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति के अन्दर कुछ न कुछ गुण अवश्य होता है। इसके लिये उनको अवसर उपलब्ध कराना आवश्यक है। सरकार इस दिशा में कार्य कर रही है।

न्यायालयों में राजस्व मामलों का बोझ

लेखक-प्रमोद भार्गव /ईएमएस

ऐसा पहली बार देखने में आया है कि सर्वोच्च न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश एनवी रमणा ने न्यायालयों में बढ़ते मामलों के मूल कारणों में जजों की कमी के साथ राजस्व न्यायालयों को भी दोषी ठहराया है। रमणा ने न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका की शक्तियों और क्षेत्राधिकार के विभाजन की संवैधानिक व्यवस्था का हवाला देते हुए कहा कि कर्तव्यों का पालन करते समय हम सभी को लक्ष्मण रेखा की मयार्दा ध्यान में रखनी चाहिए। यदि ऐसा होता है तो न्यायपालिका कभी भी शासन के रास्ते में आड़े नहीं आएगी। आज जो न्यायपालिका में मुकदमों का ढेर लगा है, उसके लिए जिम्मेदार प्रमुख प्राधिकरणों द्वारा अपना काम ठीक से नहीं करना है। इसलिए सबसे बड़ी मुकदमेबाज सरकारें हैं। न्यायालयों में 66 प्रतिशत मामले राजस्व विभाग से संबंधित हैं। राजस्व न्यायालय एक तो भूमि संबंधी प्रकरणों का निराकरण नहीं करती, दूसरे न्यायालय निराकरण कर भी देती है तो उस पर वर्षों अमल नहीं होता। नतीजतन, अवमानना के मुकदमे बढ़ने की भी एक नई श्रेणी तैयार हो रही है। अदालत के आदेश के बावजूद उसका क्रियान्वयन नहीं करना लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। रमणा ने मामलों का बोझ बढ़ने का कारण गिनाते हुए कहा कि तहसीलदार यदि भूमि के नामांतरण और बंटवारे समय पर कर दें तो किसान अदालत क्यों जाएगा? यदि नगर निगम, नगरपालिकाएं और ग्राम पंचायतें ठीक से काम करें तो नागरिक न्यायालय का रुख क्यों करेगा? यदि राजस्व विभाग परियोजनाओं के लिए जमीन का अधिग्रहण विधि सम्मत करे तो लोग अदालत के दरवाजे पर दस्तक क्यों देंगे? ऐसे मामलों की संख्या 66 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि जब हम सब संवैधानिक पदाधिकारी हैं और इस व्यवस्था का पालन करने के लिए जिम्मेदार हैं और हमारे क्षेत्राधिकार भी स्पष्ट हैं, तब समन्वय के साथ दायित्व का पालन करते हुए राष्ट्र की लोकतांत्रिक नींव मजबूत करने की जरूरत है। रमणा ने यह बात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आहूत मुख्यमंत्रियों और उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों के सम्मेलन में कही। अदालतों में मुकदमों की संख्या बढ़ाने में राज्य सरकारें निश्चित रूप से जिम्मेवार हैं। वेतन विसंगतियों को लेकर एक ही प्रकृति के कई मामले ऊपर की अदालतों में विचाराधीन हैं। इनमें से अनेक तो ऐसे प्रकरण हैं, जिनमें सरकारें आदर्श व पारदर्शी नियोक्ता की शर्तें पूरी नहीं करती हैं। नतीजतन जो वास्तविक हकदार हैं, उन्हें अदालत की शरण में जाना पड़ता है। कई कर्मचारी सेवानिवृति के बाद भी बकाए के भुगतान के लिए अदालतों में जाते हैं। जबकि इन मामलों को कार्यपालिका अपने स्तर पर निपटा सकती है। हालांकि कर्मचारियों से जुड़े मामलों का सीधा संबंध विचाराधीन कैदियों की तादाद बढ़ाने से नहीं है, लेकिन अदालतों में प्रकरणों की संख्या और काम का बोझ बढ़ाने का काम तो ये मामले करते ही हैं। इसी तरह पंचायत पदाधिकारियों और राजस्व मामलों का निराकरण राजस्व न्यायालयों में न होने के कारण न्यायालयों में प्रकरणों की संख्या बढ़ रही है। जीवन बीमा, दुर्घटना बीमा और बिजली बिलों का विभाग स्तर पर नहीं निपटना भी अदालतों पर बोझ बढ़ा रहे हैं। कई प्रांतों के भू-राजस्व कानून विसंगतिपूर्ण हैं। इनमें नाजायज कब्जे को वैध ठहराने के उपाय हैं। जबकि जिस व्यक्ति के पास दस्तावेजी साक्ष्य है, वह भटकता रहता है। इन विसंगतिपूर्ण धाराओं का विलोपीकरण करके अवैध कब्जों से संबंधित मामलों से निजात पाई जा सकती है। लेकिन नौकरशाही ऐसे कानूनों का वजूद बने रहने देना चाहती है, क्योंकि इनके बने रहने पर ही इनका रौब-रुतबा है। हमारे यहां संख्या के आदर्श अनुपात में कर्मचारियों की कमी का रोना अक्सर रोया जाता है। ऐसा केवल अदालत में हो,ऐसा नहीं है। पुलिस, शिक्षा और स्वास्थ्य विभागों में भी गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध न कराने का यही बहाना है। कोरोना काल में स्वास्थ्य विभाग चिकित्सकों एवं उनके सहायक कर्मचारियों की कमी बड़ी संख्या में देखने में आई थी। इसकी पूर्ति आउट सोर्स के माध्यम से चिकित्सक एवं कर्मचारी तैनात करके तत्काल तो कर ली गई, किंतु कोरोना संकट खत्म होते ही उन्हें हटा दिया गया। नतीजतन कमी यथावत है। जजों की कमी कोई नई बात नहीं है। 1987 में विधि आयोग ने हर 10 लाख की आबादी पर जजों की संख्या 10 से बढ़ाकर 50 करने की सिफारिश

की थी। फिलहाल यह संख्या 17 कर दी गई है। जबकि विश्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक यह आंकड़ा आस्ट्रेलिया में 58, कनाडा में 75, फ्रांस में 80 और ब्रिटेन में 100 है। हमारे यहां जिला एवं सत्र न्यायालय में 21 हजार की तुलना में 40 हजार न्यायाधीशों की जरूरत है। मार्च 2016 तक देश के 24 उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों के कुल 1056 पद स्वीकृत हैं, जिनमें से 434 पद खाली हैं। हालांकि हमारे यहां अभी भी 14,000 अदालतों में 17,945 न्यायाधीश काम कर रहे हैं। अदालतों का संस्थागत ढांचा भी बढ़ाया गया है। उपभोक्ता, परिवार और किशोर न्यायालय अलग से अस्तित्व में आ गए हैं। फिर भी काम संतोषजनक नहीं है। उपभोक्ता अदालतें अपनी कार्य संस्कृति के चलते बोझ साबित होने लगी हैं। बावजूद औद्योगिक घरानों के वादियों के लिए पृथक से वाणिज्य न्यायालय बनाने की पैरवी की जा रही है। अलबत्ता आज भी ब्रिटिश परंपरा के अनुसार अनेक न्यायाधीश ग्रीष्म ऋतु में छुट्टियों पर चले जाते हैं। सरकारी नौकरियों में जब से महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान हुआ है, तब से हरेक विभाग में महिलाकर्मियों की संख्या बढ़ी है। इन महिलाओं को 26 माह के प्रसूति अवकाश के साथ दो बच्चों की 18 साल की उम्र तक के लिए दो वर्ष का ह्यबाल सुरक्षा अवकाशह्य भी दिया जाता है। अदालत से लेकर अन्य सरकारी विभागों में मामलों के लंबित होने में ये अवकाश एक बड़ा कारण बन रहे हैं। इधर कुछ समय से लोगों के मन में यह भ्रम भी पैठ कर गया है कि न्यायपालिका से डंडा चलवाकर विधायिका और कार्यपालिका से छोटे से छोटा काम भी कराया जा सकता है। इस कारण न्यायालयों में जनहित याचिकाएं बढ़ रही हैं, जो न्यायालय के बुनियादी कामों को प्रभावित कर रही हैं। जबकि प्रदूषण, यातायात, पर्यावरण और पानी जैसे मुद्दों पर अदालतों के दखल के बावजूद इन क्षेत्रों में बेहतर स्थिति नहीं बनी है। न्यायिक सिद्धांत का तकाजा तो यही है कि एक तो सजा मिलने से पहले किसी को अपराधी न माना जाए, दूसरे आरोप का सामना कर रहे व्यक्ति का फैसला तय समय-सीमा में हो जाए। लेकिन दुर्भाग्य से हमारे यहां ऐसा संभव नहीं हो पाता। इसकी एक वजह न्यायालय और न्यायाधीशों की कमी जरूर है, लेकिन यह आंशिक सत्य है। मुकदमों के लंबा खिंचने की एक वजह अदालतों की कार्य-संस्कृति भी है। सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत न्यायमूर्ति राजेंद्रमल लोढ़ा ने कहा भी था ह्यन्यायाधीश भले ही निर्धारित दिन ही काम करें, लेकिन यदि वे कभी छुट्टी पर जाएं तो पूर्व सूचना अवश्य दें। ताकि उनकी जगह वैकल्पिक व्यवस्था की जा सके। इस तथ्य से यह बात सिद्ध होती है कि सभी अदालतों के न्यायाधीश बिना किसी पूर्व सूचना के आकस्मिक अवकाश पर चले जाते हैं। गोया, मामले की तारीख आगे बढ़ानी पड़ती है। इन्हीं न्यायमूर्ति ने कहा था कि ह्यजब अस्पताल 365 दिन चल सकते हैं तो अदालतें क्यों नहीं ? यह बेहद सटीक सवाल था। हमारे यहां अस्पताल ही नहीं, राजस्व और पुलिस विभाग के लोग भी लगभग 365 दिन काम करते हैं। किसी आपदा के समय इनका काम और बढ़ जाता है। इनके कामों में विधायिका और खबरपालिका के साथ समाज का दबाव भी रहता है। बावजूद ये लोग दिन-रात कानून के पालन के प्रति सजग रहते हैं। जबकि अदालतों पर कोई अप्रत्यक्ष दबाव नहीं होता है। यही प्रकृति वकीलों में भी देखने में आती है। हालांकि वकील अपने कनिष्ठ वकील से अक्सर इस कमी की वैकल्पिक पूर्ति कर लेते हैं। लेकिन वकील जब प्रकरण का ठीक से अध्ययन नहीं कर पाते अथवा मामले को मजबूती देने के लिए किसी दस्तावेजी साक्ष्य को तलाश रहे होते हैं तो वे बिना किसी ठोस कारण के तारीख आगे खिसकाने की अर्जी लगा देते हैं। विडंबना है कि बिना ठोस पड़ताल किए न्यायाधीश इसे स्वीकार भी कर लेते हैं। तारीख बढ़ने का आधार बेवजह की हड़तालें और न्यायाधीशों व अधिवक्ताओं के परिजनों की मौतें भी हैं। ऐसे में श्रद्धांजलि सभा कर अदालतें कामकाज को स्थगित कर देती हैं। न्यायमूर्ति लोढ़ा ने इस तरह के स्थगन और हड़तालों से बचने की सलाह दी थी। लेकिन जिनका स्वार्थ मुकदमों को लंबा चलाने में अंतर्निहित है, वहां ऐसी नसीहतें व्यर्थ हैं। लिहाजा, कड़ाई बरतते हुए कठोर नियम बनाने की जरूरत है। अगली तारीख का अधिकतम अंतराल 15 दिन से ज्यादा का न हो, दूसरे अगर किसी मामले का निराकरण समय-सीमा में नहीं हो पा रहा है तो ऐसे मामलों को विशेष प्रकरण की श्रेणी में लाकर उसका निराकरण त्वरित और लगातार सुनवाई की प्रक्रिया के अंतर्गत हो। ऐसा होता है तो मामलों को निपटाने में तेजी आ सकती है। बहरहाल प्रधान न्यायाधीश ने जो खरी-खरी बातें कहीं हैं, उन पर राजस्व अदालतों को अमल करने की जरूरत है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का कार्टून।

भूखे पेट भजन ना होय गोपाला

लेखक-सनत जैन /ईएमएस

आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका में आम जनता सड़कों पर हिंसा पर उतारू हो गई है। जिस महिंद्रा राजपक्षे को जनता अपना भगवान मानती थी। उन्हीं राजपक्षे और उनके समर्थन सांसदों के खिलाफ श्रीलंका की जनता सड़कों पर आकर मरने-मारने पर उतारू है। 1917 की रूसी जार क्रांति की तरह श्रीलंका की जनता नेताओं के घरों में घुसकर घर जला रही है। सांसदों एवं सरकारी पदों पर बैठे लोगों को खोज-खोजकर उन पर हमले कर मार रही है। अभी तक श्रीलंका की हिंसा में 1 सांसद सहित 8 लोगों की हत्या हो गई। श्रीलंका के प्रधानमंत्री एवं वित्त मंत्री सिहासन छोड़कर सुरक्षित स्थान पर चले गए है। 1 दर्जन से अधिक मंत्रियों के बंगलों पर आम जनता ने आग लगा दी। 2 बार आपात काल लागू करने के बाद भी सेना और प्रशासन हिंसक प्रदर्शनकारियों को रोक नहीं पा रही है। राजपक्षे का बंग्ला प्रदर्शनकारियों ने जला दिए है। सत्ता से जुड़े लोगों के घरों पर प्रदर्शनकारी हमला कर उन्हें जला रहे है। राजनेता एवं शासन के प्रमुख पदों पर बैठे लोग अपनी जान बचाने के लिये भाग रहे है। भूख और मुसीबत से बेहाल जनता का गुस्सा अपने चरम पर है। आम जनता, कर्फ्यू लगे होने के बाद भी सड़को पर बड़ी संख्या में आकर लूटपाट कर अपने भोजन का जुगाड़ कर रही है। सेना, पुलिस, शासन, प्रशासन आम जनता के जिम्मेदार नेता, अधिकारी भाग कर सुरक्षित स्थानों पर चले गए हैं। उधार की अर्थ- व्यवस्था ने श्रीलंका सहित दुनिया के लगभग सभी देशों में अराजकता की स्थिति पैदा कर दी है। भौतिक सूख - सुविधाओं के लिए कर्ज लेकर घी पीने की प्रवृति सरकारों के साथ - साथ घर - घर तक पहुंच गई थी। श्रीलंका सरकार ने भी भारी कर्ज ले रखा है। महिन्द्रा राजपक्षे उधार की अर्थ - व्यवस्था से जनता के चहेते और लोकप्रिय नेता बनकर राज कर रहे थे। भारी कर्ज के बोझ से दबी श्रीलंका की अर्थ - व्यवस्था ने सामान्य जनजीवन को बुरी तरह से प्रभावित किया है। आम जनता को 2 जून की रोटी नहीं मिल पा रही है। ऐसी स्थिति नंगी -भूखी जनता स्वंय का और अपने परिवार का पेट भरने के लिए हिंसा और लूट - पाट में लिप्त होकर किसी तरह जीवन को बचाने का संघर्ष कर रही है। विदेशी मुद्रा का संकट होने से रोजमर्रा की चीजें श्रीलंका से गायब है। बेरोजगारी, मंहगाई एवं भूख ने श्रीलंका में अराजक्ता की स्थिति पैदा कर दी है। भारत में कहावत है "भूखे पेट भजन न हो गोपाला"। आमदनी अटन्नी और खर्चा रुपैया, कुछ समय के लिए ही संभव है। उधार की अर्थ - व्यवस्था किसी का भला नहीं कर सकती है। श्रीलंका सहित दुनिया के 50 से अधिक देशों में लगभग यही हालात हैं। इस स्थिति से अब निकलने की जरुरत है। भारत के भी आर्थिक हालात लगातार चिंतनीय होते जा रहे हैं। कोरोनावायरस संकट के बाद देश के लगभग 9 करोड़ लोग निम्न मध्यम वर्ग से अति गरीब हो गए हैं। देश का विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से कम होने लगा है। सार्वजनिक सेवा की बैंक ओएनजी बीमा जैसी नवरत्न कंपनियों को किसी क्षेत्रों को बेचा जा रहा है। सरकार लाभ देने वाली कंपनियों में हिस्सेदारी बेच रही है। श्रीलंका में प्रधानमंत्री 2050 तक सत्ता में बने रहने का दावा कर रहे थे। लेकिन आज उन्हें सत्ता छोड़ कर भागना पड़ा। पेट्रोल-डीजल, मंहगाई, बेरोजगारी के कारण श्रीलंका जैसे हालात भारत में भी हो सकते हैं। यदि समय रहते भारत की आर्थिक स्थिति को नहीं संभाला गया तो महंगाई बेकाबू हो जाएगी। बेतहाशा बढ़ती महंगाई ने मध्यम एवं निम्न वर्ग के परिवार की कमर तोड़ दी है। जनता में भयानक असंतोष है। सभी चीजों के बढ़ते दामों के कारण आर्थिक हालात बिगड़ चुकी हैं। भारत के ऊपर विदेशी कर्ज भी लगातार बढ़ रहा है। भारत के कई राज्यों ने अपने जीडीपी के अनुपात में अधिक कर्ज ले रखा है। श्रीलंका कर्ज के कारण दिवालिया हुआ है। भारत को समय रहते मंहगाई को नियंत्रित करने एवं विदेशी मुद्रा को बचाने के लिए त्वरित निर्णय लेना होगा अन्यथा भारत में भी अराजक्ता की स्थिति पैदा हो सकती है।

दृष्टि में सब रखें

एक व्यक्ति ने कहा, 'सर्दी लग रही है। ठिठुर रहा हूं।' दूसरे ने कहा, 'जाओ, कपड़ा ओढ़ लो।' वह घर में गया और मलमल की चादर ओढ़ आया। आकर बोला, 'कपड़ा ओढ़ लिया, फिर भी ठंड लग रही है।' उसने कहा, 'भले आदमी! मैंने कपड़ा ओढ़ने के लिए कहा था। इस ठिठुरन से बचने के लिए कैसा कपड़ा ओढ़ना है, यह विवेक तो तुम्हें होना ही चाहिए। मलमल से ठंड नहीं रूकती। वह रूकती है मोटे कपड़े से, ऊनी कपड़े से। जब तक मोटा कपड़ा या ऊनी कपड़ा नहीं ओढ़ा जाएगा, ठंड रूकेगी नहीं।' कहने का अर्थ है कि यही बात देखने के विषय में है। देखना भी चल रहा है और विचार भी चल रहा है, यह नहीं होना चाहिए। देखने में केवल देखना ही चले। यह तभी संभव है जब देखना सघन हो। ठंड का रूकना तभी संभव है जब मोटा कपड़ा ओढ़ा जाए। प्रश्न होता है कि किसे देखें? क्या देखें? अच्छा-बुरा जो भी आए उसे देखें। प्रोध आए तो उसे भी देखो। मान आए तो उसे भी देखो। वास्तव में जो प्रोध को देखता है, वही मान को देखता है। प्रोध हमारी सबसे स्थूल वृत्ति है। यह सबके समक्ष प्रत्यक्ष होती है। मान छिपा रहता है। प्रकट कम होता है। प्रोध तत्काल प्रकट हो जाता है। प्रोध का परिणाम -दुख को देखो। सुख को भी देखो। सुख के स्पंदनों को देखो। दुख के स्पंदनों को देखो। जो भी अच्छा या बुरा है, उसे देखो। श्वास को देखो। शरीर को देखो। समत्व को देखो। तटस्थता को देखो। अनन्यदर्शी को देखो। उसको देखो जहां दूसरा कोई नहीं है। चेतना के उस शुद्ध स्वभाव को देखो जहां जानने-देखने के सिवाय कुछ भी नहीं है। वही परम दर्शन है।

प्रसंगतः सेवा की भावना बनाती है महान

उड़ीसा के कटक शहर के उड़िया बाजार में एक बार प्लेग फैला। मच्छर और गंदगी के कारण लोग बहुत दुखी थे। केवल बापूपाड़ा मोहल्ला इससे बचा था क्योंकि वहां बहुत सारे वकील और बुद्धिजीवी रहते थे। वे अपने घरों और आसपास गंदगी नहीं रहने देते थे। वहां के कुछ लड़कों ने सफाई अभियान चलाने के लिए एक दल बनाया, जिसमें दस साल के बच्चों से लेकर अठारह साल तक के नौजवान शामिल थे। उस दल का मुखिया था बारह साल का बालक। उड़िया बाजार में हैदर अली नाम का एक कुख्यात व्यक्ति रहता था। बापूपाड़ा के लड़के जब उड़िया बाजार में साफ-सफाई करने आए तो हैदर अली ने उन्हें भगा दिया। असल में बापूपाड़ा के प्रति उसके मन में कटुता भरी हुई थी क्योंकि वहां के वकीलों ने उसे कई बार जेल भिजवाया था। लेकिन कुछ ही दिनों के बाद हैदर अली की पत्नी और उसके बेटे को भी प्लेग हो गया। यह सुनते ही अभियान दल का मुखिया उनकी तीमारदारी में लग गया। हैदर अली ने उस लड़के से पूछा, 'तुमको डर नहीं लगता'? लड़के ने जवाब दिया, 'मैं क्यों डरूं?' हैरद अली ने कहा 'मैं तो बापूवाड़ावालों को गालियां देता हूं। सेवामंडल के लड़कों को तो मैंने अपना शत्रु समझकर भगा दिया और तुम मेरी पत्नी और बच्चे की सेवा कर रहे हो। हम तुम्हारी इस हिम्मत और उदारता से बड़े प्रभावित हैं। बेटा! मुझे माफ कर देना। मैंने तुम्हारी सेवा की कद्र नहीं की।' बालक ने कहा, 'आप तो हमारे पिता तुल्य हैं। माफी देने का अधिकार हमें नहीं है, हमें तो आपसे आशीर्वाद लेना चाहिए। आपकी पत्नी मेरी मां जैसी हैं और बेटा मेरे भाई जैसा है।' हैदर अली उस बच्चे की निष्काम सेवा और मधुर वाणी से इतना प्रभावित हुआ कि फूट-फूटकर रोने लगा। लड़के ने कहा, 'चाचा, आप फिक्र न करें। हमें सेवा का मौका देते रहें।' वह एक असाधारण बालक था जो आगे चलकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नाम से विख्यात हुआ।

हम भी वही कर रहे है, जो मुगलिया शासकों ने किया था!

लेखक- ओमप्रकाश मेहता / ईएमएस)

एक बहुत पुरानी कहावत है- इतिहास स्वयं को दोहराता है ....आज उसी पुरानी कहावत के भारत में साक्षात दर्शन हो रहे है, आज से कुछ शताब्दियों पूर्व तत्कालीन शासकों ने जिस धर्म आधारित राजनीति के तहत हमारे देश के आराधना स्थलों को खण्डहरों में परिवर्तित कर उनकी जगह अपनी धर्म पताकाएँ फहराई, आज हम भी उसी इतिहास को दोहराने की ओर अग्रसर है और गैर हिन्दू आराधना स्थलों पर अपने मंदिरों के प्राचीन अवशेष खोज रहे है, उस समय के तत्कालीन शासकों ने भी मजहब से प्रभावित हो कर अनैतिक कार्य किया था और आज हम भी धार्मिक भावनाओं से ग्रसित होकर वही करने जा रहे है, आखिर इससे हमें हासिल क्या होना है? क्या आज हमारे देश में आराधना स्थलों की कमी है, जो हम नए पुरातन आराधना स्थलों की खोज कर रहे है? या हमारे इस कृत्य के पीछे हमारी भावनाएँ व हमारे प्रयास कुछ और है? आज हर भारतीय के लिए यह आत्मचिंतन का विषय होना चाहिए। यह कृत्य यहीं तक सीमित होता तो फिर भी ठीक था, किंतु हम तो इस कृत्य के माध्यम से नए शोध के नाम पर हमारे पुरातन इतिहास को बदलने का प्रयास कर रहे है, जिसका ताजा उदाहरण यह सिद्ध करने का प्रयास किया जा रहा है कि विश्व के सात अजूबों में से एक हमारे देश की धरोहर ताज महल मुस्लिम शासक शाहजहां ने अपनी बैगम मुमताज की स्मृति में नहीं बनवाया था, बल्कि वहां किसी परारदी देव ने तेजो महालय (शंकर मंदिर) स्थापित किया था, जिसे तोड़कर वहां थोड़ा-बहुत परिवर्तन कर आज के ताज महल को बनवाया गया, इसके प्रमाण में कई दलीलें भी दी जा रही है, जिनमें से एक दलील यह है कि मुगल शासक अपने किसी भी निर्माण कार्य के नामकरण के साथ ह्यमहलह्ल के नाम पर नहीं करते थे, अब यह भी दावा किया जा रहा है कि ताज महल के नीचे 22 कमरे है, जिन्हें 1934 के बाद से आज तक खोला नहीं गया है, इन कमरों में हिन्दू देवी-देवताओं की मूर्तियाँ, भित्तीचित्र और शिला लेख विद्यमान है, अब न्यायपालिका में गुहार

लगाकर इन रहस्यमयी कमरों को खुलवाकर जांच कराने की याचना की जा रही है। फिलहाल ताज महल यूपी सुन्नी वक्फ कमेटी के नियंत्रण में है। ठीक यही विवाद एक और विश्व धरोहर दिल्ली स्थित कुतुब मीनार को लेकर है, इतिहासकारों के अनुसार इस मीनार का निर्माण 1192 में तत्कालीन मुस्लिम शासक कुतुबद्धिन ऐबक ने करवाया था, उसने अपने ही नाम पर इसका नामकरण भी किया था। अब देश के हिन्दू संगठन दावा कर रहे है कि इसी मीनार में हिन्दू देवी देवताओं के सत्ताईस मंदिर है, संगठनों ने पिछले दिनों धरना प्रदर्शन के माध्यम से न सिर्फ इन मंदिरों की पूजा का अधिकार देने की मांग की बल्कि कुतुबमीनार का नाम बदलकर विष्णु स्तंभ करने की भी मांग की, यह मीनार भी दुनिया की अमूल्य धरोहरों में से एक है और यदि इसका नाम बदला गया तो इसका विश्व धरोहर का दर्जा भी छीन जाएगा, किंतु धर्मान्धियों को इस बात की कोई चिंता नहीं है इसी के चलते विश्व प्रसिद्ध भारत की इन दोनों धरोहरों का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। यह तो हुई हमारी विश्व प्रसिद्ध धरोहरों के अस्तित्व की बात। अब यदि हम हमारे तीर्थस्थलों की बात करें तो वहां भी नए-नए दावे कर इन तीर्थस्थलों की साम्प्रदायिकता के दायरे में लाने का प्रयास किया जा रहा है, अयोध्या का बाबरी मस्जिद काण्ड तो किसी से छिपा नहीं है, अब इसी काण्ड को हमारे प्रसिद्ध धार्मिक तीर्थ काशी (वाराणसी) और मथुरा में दोहराने के प्रयास किए जा रहे है, कहा जा रहा है कि वाराणसी में बाबा विश्वनाथ जी के मंदिर के निकट स्थित ज्ञानवापी मस्जिद मंदिर की ही जमीन पर बनाई गई है, न्यायालय के आदेश पर जब जांच दल वहां पहुंचा तो मस्जिद के प्रबंधकों ने उन्हें सर्वेक्षण करने से रोक दिया, अब न्यायालय पुनः सर्वेक्षण की तारीख तय कर निर्देश देने वाला हैं। यही विवाद अब राम जन्मभूमि (अयोध्या) के बाद कृष्ण जन्मभूमि (मथुरा) में भी शुरू हो रहा है, वहां भी कृष्ण जन्मभूमि स्थित मंदिर के पास स्थित मस्जिद के बारे में कहा जा रहा है कि कृष्ण मंदिर के एक हिस्से को तोड़कर वहां मस्जिद बनाई गई है, वहां भी हिन्दू संगठन आंदोलनरत है। हमारे देश की राजधानी में कुतुब मीनार काण्ड के साथ ही वहां की सड़कों, मोहल्लों के नाम बदलने का भी अभियान जारी है, जिस सड़क-मोहल्लें का स्थान किसी मुस्लिम हस्ती के नाम पर है, उन सभी को बदलने का अभियान जारी है। सबसे अधिक दुर्गति इसी संदर्भ में हमारी न्यायपालिका की है, वैसे ही हमारे देश की अदालतों में वर्षों से पैंसठ हजार से अधिक मामले लम्बित है, उनके फैसलें हो नहीं पा रहे है और अब देश के न्यायालयों में सैकड़ों मामले अब तक इन मंदिरों मस्जिदों के पहुंच चुके है, जिन पर सुनवाई-जिरह आदि भी शुरू हो चुकी है। इस प्रकार कुल मिलाकर पूरे देश में पिछले कुछ अर्से से जो साम्प्रदायिक माहौल बनाने का कतिपय संगठनों द्वारा प्रयास किया जा रहा है, उससे देश का आम आदमी चिंतित है और धीरे-धीरे यह माहौल जो डरावना रूप धारण कर रहा है, इससे और अधिक भय व्याप्त हो रहा है और सरकार है जो इस ओर से पूरी तरह आँखें मूंदे हुए है, आखिर इसका अंजाम क्या होगा?

DELHI CRIME 13 may 2022:Layout 1 5/12/2022 8:25 PM Page 3

भारतीय संस्कृति का प्रचार-प्रसार जरूरी : दत्तात्रेय

चंडीगढ़, (हि.स.)। पूरे विश्व में भारतीय संस्कृति एक सम्पन्न व समृद्ध संस्कृति के रूप में जाना जाता है। इसलिए संस्कृति का प्रचार-प्रसार करने व बढ़ावा देने के लिए कार्य किया जाना चाहिए। इस कार्य में विदेश सेवा में कार्यरत अधिकारियों व कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। यह बात हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने गुरुवार को राजभवन में उनसे शिष्टाचार भेंट करने आए 2021 बैच के भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों से ह्य इंटरेक्शन सेशनह्य के दौरान कही। इन अधिकारियों में पंचकूला के आयुष गुप्ता और गुरुग्राम की रिया राठी थी। राज्यपाल दत्तात्रेय ने कहा कि उन्हें जिस भी देश में सेवा का मौका मिले वहां भारतीय संस्कृति को प्रमोट करें साथ वहां की सभ्यता, संस्कृति, शिक्षा और नई प्रौद्योगिकी को समझें और विभिन्न देशों में रह रहे भारतीयों को भी रूबरू करवाएं। इससे भारतीय विदेश नीति और सफल होगी। उन्होंने कहा कि वह भारतीय व विदेशी प्रशासनिक व्यवस्था को नजदीक से देखे और यहां के लागों से भी मिले ताकि यह पता चले कि विदेशों में हमारे लोगो का किस प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इससे

अन्य राज्यों की तरह हरियाणा में भी वकीलों को मिले बजट: बधरान

यमुनानगर, (हि.स.)। जनशक्ति आवाज मंच के राष्ट्रीय सयोजक व बार काउंसिल ऑफ पंजाब एंड हरियाणा के पूर्व चेयरमैन एडवोकेट रणधीर सिंह बधरान गुरुवार को हरियाणा के जिले यमुनागर जिला बार एसोसिएशन जगाधरी में अपनी पूरी टीम के साथ पहुंचे। जहा पर उन्होंने एडवोकेट के साथ मिलकर एक बैठक की, जिसमें जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बृजेश कुमार सिंह पुंडीर मुख्य तौर पर उपस्थित रहे। उप प्रधान गुरविंदर धारी जनशक्ति आवाज मंच के राष्ट्रीय संयोजक व बार काउंसिल ऑफ पंजाब एंड हरियाणा के पूर्व चेयरमैन एडवोकेट रणधीर सिंह बधरान ने जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष के साथ मिलकर वकीलों की पेंशन,ओर अन्य मुद्दों के साथ- साथ वकीलों के लाभ को लेकर ओर सुविधाओ को लेकर भी चर्चा की। अध्यक्ष ने वकीलों को आ रही परेशानियों के बारे मे भी एड-वोकेट रणधीर सिंह बरधान को अवगत कराया गया। एडवोकेट रणधीर सिंह बधरान ने बताया कि अन्य राज्यों में वकीलों के लिए बजट हैं। लेकिन हरियाणा के लिए फंड नही हैं। पिछले काफी समय से वकीलों के हक के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं हरियाणा के हाईकोर्ट को अलग बनाने ओर वकीलों को आ रही परेशानियों को अवगत कराया गया।

कोरोना योद्धाओं के समर्थन में सर्व कर्मचारी संघ ने किया प्रदर्शन, सीएमओ को सौंपा ज्ञापन

फतेहाबाद, (हि.स.)। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा की राज्य कार्यकारिणी के आह्वान पर स्वास्थ्य कोरोना योद्ध-ाओं के समर्थन में कर्मचारियों द्वारा सिविल सर्जन कार्यालय पर प्रदर्शन कर सीएमओ डॉ. संगीता अबरोल को ज्ञापन सौंपा गया। प्रदर्शन का नेतृत्व कोविड कर्मचारी नेता पूनम बिशनोई ने किया। प्रदर्शन में सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा जिला फतेहाबाद के प्रधान भूप सिंह भडोलावाली, जिला सचिव सुरजीत दुसाद, पूर्व जिला प्रधान बेगराज, सर्व कर्मचारी संघ के ब्लाक प्रधान राजपाल मिताथल, सचिव इंद्र घासी, नगरपालिका कर्मचारी संघ से ओमप्रकाश लोट, नरेश कुमार राणा, पब्लिक हैल्थ से राम सिंह, मेनपाल, आल हरियाणा पावर कार्पोरेशन वर्कर यूनियन से रामनिवास शर्मा, हनुमान खिचड़, सुरेश कुमार प्रधान सिटी आदि उपस्थित हुए। सकसं के जिला प्रधान भूप सिंह भडोलावाली ने कहा कि नौकरी से हटाए गए कोविड कर्मचारियों को सरकार तुरंत बहाल करे। इन कर्मचारियों ने कोरोना काल में अपनी बेहतरीन सेवाओं से लोगों की जिंदगी को बचने का काम किया है। स्वास्थ्य मंत्री द्वारा भी इन कर्मचारियों को दोबारा काम पर रखने की बात कही गई है लेकिन अब तक इस दिशा में कोई कार्रवाई न होने से कर्मचारी वर्ग में निराशा है। 23 व 24 मई को नगरपालिका कर्मचारी संघ की होने वाली हड़ताल का भी समर्थन किया और कहा कि इस हड़ताल में सर्व कर्मचारी संघ भी बढ़चढ़ कर भाग लेगा। कर्मचारी नेता ने कहा कि सरकार के खिलाफ आवाज उठाने वाले व प्रदर्शनों में भाग लेने वाले कर्मचारियों को रोका जा रहा है, जिसे सहन नहीं किया जा सकता।

गर्मी की छुट्टियों में विद्यार्थियों की ऑनलाइन कक्षाएं लगाना सराहनीय फैसला : कैप्टन भूपेन्द्र

प्रदेश सरकार एवं शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों की शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाया छुट्टी के दिनों में भी जारी रह सकेगी 10वीं व 12वीं के विद्यार्थियों की पढ़ाई

हिसार, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष कैप्टन भूपेन्द्र ने राज्य सरकार द्वारा गर्मी की छुट्टियों में विद्यार्थियों की ऑनलाइन कक्षाएं लगाए जाने का स्वागत करते हुए इसे सराहनीय फैसला बताया है। उन्होंने कहा कि सरकार एवं शिक्षा विभाग का यह फैसला विद्यार्थियों की शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को जाहिर करता है, जिससे विद्यार्थी छुट्टी के दिनों में भी पढ़ाई निरंतर जारी रख सकेंगे। भाजपा जिला अध्यक्ष कैप्टन भूपेन्द्र ने कहा कि राज्य सरकार एवं शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों के हित में बड़ा फैसला लेते हुए इस बार होने वाली गर्मी की छुट्टियों में कक्षा 10वीं और 12वी के छात्रों की ऑनलाइन कक्षएं लगाने का फैसला किया गया है। गर्मी की छुट्टियों से पहले विभाग की ओर से इन छात्रों को टेबलेट बांट दिए जाएंगे ताकि इनकी ऑनलाइन पढाई में कोई बाधा ना आये। इस पूरी योजना को सिरे चढ़ाने के लिए विभाग की ओर से जल्द से जल्द शिक्षकों को ट्रेनिंग देने का कार्य जोर-शोर से किया जा रहा है। विभाग का प्रयास है कि छात्रों और शिक्षकों को जो टेबलेट दिए जा रहे हैं उनको बच्चों की पढ़ाई में ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल किया जाए और अगर सुचारू पढाई में कोई दिक्कत आती है तो इन छुट्टियों में ही उन दिक्कतों को दूर कर लिया जाए। कैप्टन भूपेन्द्र ने शिक्षा विभाग के फैसले का जिक्र करते हुए बताया कि इस बार गर्मी की छुट्टियां एक जून से 30 जून तक होनी है।

इन छुट्टियों में ही 10वीं और 12वी की कक्षाएं ऑनलाइन लगाई जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा टेबलेट वितरण के बाद तुरंत ही इन टेबलेट के माध्यम से ऑनलाइन कक्षाएं शुरू करना पढ़ाई का एक ट्रायल पूरा करने की कोशिश है।

एचएयू में महिलाओं को दिया बेकरी प्रशिक्षण

-वीसी के निर्देशन में लगातार हो रहे प्रशिक्षण, 21 बेरोजगारों ने लिया प्रशिक्षण में भाग

हिसार, (हि.स.)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा बेकरी उत्पादों पर आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण गुरूवार को सम्पन्न हो गया। संस्थान के सहनिदेशक डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज के मार्गदर्शन में संस्थान की ओर से रोजगार के अवसर देने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम निरंतर करवाए जा रहे है। प्रशिक्षण में विभिन्न जिलों से 21 बेरोजगार महिलाओं एवं युवतियों ने भाग लिया। इस अवसर पर विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण दौरान प्राप्त ज्ञान को रोजगार का जरिया बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बेरोजगार महिलाएं एवं युवतियां स्वयं का रोजगार शुरू करके अपने परिवार का पालन-पोषण कर सकती हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किए जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षणों पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम के संयोजक व संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. डी.के. शर्मा ने बताया कि प्रशिक्षण के पहले दिन फाउंडर डायरेक्टर नूको एक्सपर्ट डॉ. दीपिका अहलावत ने प्रतिभागियों को कुकीज बनाना सिखाया। दूसरे दिन फूड्स एंड न्यूट्रीशन विभाग की वैज्ञानिक डॉ. वीनू सांगवान ने प्रतिभागियों को प्रेशर कुकर में केक व बाजरे के लड्डू बनाना सिखाया। तीसरे दिन विश्वविद्यालय के ऐबिक के मैनेजर मनीषा व विक्रम सिन्धू ने ऐबिक व आरकेवीवाई रफ्तार स्कीम की विस्तृत जानकारी दी।

धान की जगह दलहनी व तिलहनी फसलों को उगाएं किसान: कृष्ण कुमार

-कहा, दलहनी व तिलहनी फसलों को करने पर किसानों को 7 हजार रुपए प्रति एकड़ दी जाएगी प्रोत्साहन राशि

-मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर 15 मई से 30 जून 2022 तक कर सकते हैं आवेदन

पलवल, (हि.स.)। डी.सी. कृष्ण कुमार ने वीरवार को बताया कि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग पलवल में इस बार मेरा पानी मेरी विरासत स्कीम के तहत धान की जगह पर दलहनी फसलों जैसे- अरहर, मूंग मौठ, उर्द, सोयाबीन व ग्वार और तिलहनी फसलों जैसे- मूंगफली, तिल, अरंडी व चारे वाली फसलें तथा सब्जियों की फसल लगाने पर किसानों को 7 हजार रुपए प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इसके लिए हरियाणा राज्य का एक लाख एकड़ का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें पलवल जिले का लक्ष्य 700 एकड़ का है। प्रति एकड़ 7 हजार रुपए का अनुदान उन्ही किसानों को दिया जाएगा, जो मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर आवेदन करेंगे। आवेदन करने की तिथि 15 मई से 30 जून 2022 तक निर्धारित की गई है। कृषि उपनिदेशक डा. पवन कुमार शर्मा ने बताया कि आवेदन करने के बाद विभाग उसे वैरीफाई करेगा तथा प्रोत्साहन की राशि खाते में जारी होगी। विभाग का उद्देश्य है कि ज्यादातर किसान धान की बिजाई की जगह दलहनी, चारे वाली फसलें व सब्जियां अधिक से अधिक लगाए, जिससे पानी की बचत हो सके। उन्होंने किसानों से आह्वान किया है कि किसान धान की फसल की जगह मेरा पानी-मेरी विरासत स्कीम के तहत आने वाली फसलों का लाभ उठाएं। किसान द्वारा जिन खेतों में धान की सीधी बिजाई की जगह दलहनी, चारे वाली फसलें व सब्जियां लगाई जाएंगी, उसका गांव से संबंधित कृषि विकास अधिकारी, पटवारी, नम्बरदार की संयुक्त कमेटी के द्वारा भौतिक सत्यापन किया जाएगा। इस-ाके बाद किसान द्वारा दिए गए बैंक खाते में प्रति एकड 7 हजार रुपए के हिसाब से धनराशि दी जाएगी। इस सम्बंध में अधिक जानकारी के लिए जिले के कृषि अधिकारियों से किसी भी कार्य दिवस के दौरान प्रातः 9 बजे से सांय 5 बजे तक संपर्क किया जा सकता है।

हिसार के रिंकू पहलवान का भारतीय ग्रेपलिंग टीम में हुआ चयन

हिसार, (हि.स.)। हिसार के रिंकू पहलवान का भारतीय ग्रेपलिंग टीम में चयन हुआ है। वे मास्को में 18 से 20 मई तक होने वाली अंतरराष्ट्रीय ग्रैपलिंग प्रतियोगिता में भाग लेंगे। इससे पहले चार दिवसीय इंडिया कैंप जो खरखोदा के भारत सीनियर सेकेंडरी स्कूल में लगने जा रहा है, उसमें वे शामिल होंगे। ग्रेपलिंग कमेटी हिसार के अध्यक्ष दिलबाग सिंह हुड्डा ने रिंकू को आशीर्वाद देकर रवाना किया। ग्रेपलिंग कमेटी हरियाणा के मीडिया डायरेक्टर रणसिंह पंवार ने बताया कि रिंकू पहलवान बधावड़ गांव से एक किसान परिवार से संबंधित है। उसका चयन 62 किलोग्राम भार वर्ग में हुआ है। लगभग 10 साल से कुश्ती खेलने वाले रिंकू पहलवान ग्रेपलिंग खेल से जुड़े और अब अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने जा रहा है। हिसार के रिंकू पहलवान कई बार राज्य व राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में गोल्ड सिल्वर मैडल दे चुका है।

नर्सिंग स्टाफ चिकित्सा क्षेत्र की रीढ़ व मानवता की मिसाल : डॉ रान्याल

-अग्रोहा मेडिकल ने मनाया अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस

हिसार, (हि.स.)। चिकित्सा क्षेत्र की रीढ़ ही नर्स और पैरामेडिकल स्टाफ होता है जो वास्तव में मरीज के ठीक होने में उतनी ही महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जितनी एक डॉक्टर। पूरी मानव जाति को नर्स बहनों का उनकी सेवाओं के लिए आभारी होना चाहिए। यह बात महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज के सीईओ एवं एडवाइजर जनरल रिटायर्ड एयर मार्शल डॉ. र-ाकेश कुमार रान्याल ने कही। वे गुरूवार को महाराजा अग्रसेन पैरामे-डिकल कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस पर कार्यक्रम में नर्सिंग छात्राओं को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उनके साथ कॉलेज डायरेक्टर डॉ. अलका छाबड़ा व डायरेक्टर(प्रशासन) डॉ. आशुतोष शर्मा ने भी पैरामेडिकल स्टाफ को बधाई दी। कार्यक्रम का शुभारंभ रिटायर्ड एयर मार्शल डॉ. आरके रान्याल ने दीप प्रज्ज्वलित कर और छात्राओं को नर्सिंग की शपथ दिलाकर किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ये अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस फ्लोरेंस नाइटिंगेल के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। फ्लोरेंस ने 1854 में क्रीमिया युद्ध के दौरान दुश्मन देश के घायल सैनिकों की सेवा कर मानवता की अद्भुत मिसाल पेश की थी, जिसके चलते आज हम उन्हें याद करते हैं। आर्मी के मेडिकल में तो उनकी याद में नाईटिंगेल वार्ड भी बनाए हैं। उन्होंने कहा कि डॉक्टर जितना महत्वपूर्ण है उतना ही नर्सिंग स्टाफ भी। कोरोना के वक्त कोरोना वॉरियर के रूप में नर्स और पैरामडिकल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी जिसके लिए समस्त विश्व और मानवजाति को इनके प्रति आभारी होना चाहिए। नर्सिंग की पढ़ाई कर रही छात्राओं को मानवता और समाज की सेवा का प्रण लेकर छात्र-ाओं को इस विश्व को बेहतर बनाने और फ्लोरेंस नाइटिंगेल की तरह आदर्श पेश करने के लिए प्रेरित होना चाहिए। इस दौरान पैरामेडिकल कॉलेज से प्रो. पूनम शर्मा, शिखा पाहुजा, ममता, अनुप्रभा, मुनेश, आशा, भावना, दीक्षा, अंबिका, कीर्ति, किरण आदि उपस्थित रहे।

गुरू तेग बहादुर के नाम पर हो सड़क का नाम

गुरूद्वारा सिंह सभा ने मेयर को सौंपा ज्ञापन

हिसार, (हि.स.)। गुरूद्वारा श्री गुरू सिंह सभा नागोरी गेट के पदाधिकारियों ने मेयर गौतम सरदाना से मांग की है कि शहर के गुरूद्वारा साहिब के सामने की मुख्य सड़क का नाम गुरू तेग बहादुर साहिब के नाम पर रखवाया जाए। मेयर गौतम सरदाना से उनके कैंप कार्यालय में मुलाकात करते हुए पदाधिकारियों ने गुरूवार को मेयर को बताया कि प्रदेश सरकार ने गुरू तेग बहादुर साहिब का 400 वां प्रकाशपर्व धूमधाम से मनाया है। है। इसी उपलक्ष्य में सड़क का नामकरण करना उचित रहेगा। मेयर गौतम स-रदाना ने कहा कि गुरू तेग बहादुर जी के नाम पर सड़क का नाम रखना हमारे लिये गर्व की बात होगी। गुरूद्वारा श्री गुरू सिंह सभा नागोरी गेट की मांग को पूर्ण करवाया जाएगा। गुरू तेग बहादुर जी का 400 वां प्रकाशपर्व भी प्रदेश सरकार ने धूमधाम से मनाया है। इस दौरान डा मक्खन सिंह, सरदार पलविंद्र सिंह, सरदार कुलवंत सिंह, इंद्रजीत सिंह, कुलविंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

मानव मात्र की पीड़ा को कम करने में नर्सिंग प्रोफेशन प्रेरणादायी : मंत्री मेघवाल

बीकानेर, (हि.स.)। आपदा प्रबंधन मंत्री गोविंद राम मेघवाल ने कहा कि मानव मात्र की पीड़ा को कम करने में नर्सिंग प्रोफेशन अन्य वर्ग के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। अंतराष्ट्रीय नर्सिंग दिवस के अवसर पर रविंद्र मंच में गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मेघवाल ने कहा कि नर्सिंग कार्मिक मानव समाज को देखभाल और स्नेह के बंधन से बांधते हैं। नर्सिंग देखभाल के साथ-साथ मार्मिक कहानियों और चुनौतियों के बीच एक सेतु का कार्य करता है। उन्होंने उपस्थित नर्सिंगकार्मिकों को बधाई देते हुए कहा कि यह एकमात्र ऐसा पेशा है जिसमें व्यक्ति अपनी आजीविका के साथ-साथ सेवा करता है। कोरोना काल में नर्सिंग कर्मियों के योगदान की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि लाखों जीवन बचाने के लिए नर्सिंग कर्मियों ने जिस संवेदनशीलता और निष्ठा के साथ काम किया इसके लिए उनकी जितनी प्रशंसा की जाए, कम है। उन्होंने कहा कि सेवा भाव किस प्रकार जाति और धर्म से उपर उठ कर किया जाता है, नर्सिंग कार्मिक प्रतिदिन इसके उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। कार्यक्रम में नोखा नगरपालिका अध्यक्ष नारायण झंवर, सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ मोहम्मद सलीम, राजकीय नर्सिंग कालेज प्राचार्य नरेंद्र कौशिक ने भी विचार रखे। पीबीएम वेलफेयर कमेटी के अध्यक्ष सतीश कुमार ने स्वागत उद्बोधन दिया। इस अवसर पर उल्लेखनीय कार्य करने वाले नर्सिंग कर्मियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त संभागीय आयुक्त ए एच गौरी, अधीक्षक पीबीएम डॉ प्रमोद कुमार सैनी भी उपस्थित थे। राजकीय नर्सिंग स्कूल के अब्दुल वाि-हद ने नर्सिंगकर्मियों की मांगे रखी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नर्सिंगकर्मी व विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन संजय पुरोहित ने किया।

जल जीवन मिशन में योगी की सरकार का प्रदर्शन अनुकरणीय : शेखावत

जोधपुर, (हि.स.)। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत गुरुवार को उत्तर प्रदेश प्रवास पर रहे। उन्होंने लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कद्दावर भाजपा नेता योगी आदित्यनाथ से भेंट की। मंत्री शेखावत ने कहा कि महाराज योगी आदित्यनाथ से मुलाकात सदा सुखद रहती है। उनके नेतृत्व में उप्र ने उत्त-रोत्तर और समावेशी विकास किया है। विशेषकर बुनियादी सुविधाओं में वृद्धि कर आम जनजीवन के स्तर को नए आयाम दिए गए हैं। जल जीवन मिशन में योगी जी की सरकार का प्रदर्शन अनुकरणीय है।

स्वतंत्र देव सिंह से मुलाकात और चर्चा के दौरान मंत्री शेखावत ने कहा कि देश के सबसे बड़े राज्य में आना और यहां लिखी जा रही विकास गाथा को बहुत समीप से पढना देखना विशेष रहता है। इसके बाद मंत्री शेखावत ने लखनऊ के प्रसिद्ध हनुमान सेतु मंदिर में उत्तर प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के साथ दर्शन किए और कहा कि श्री हनुमत कृपा से सारे काम बनते हैं। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने देवाधिदेव महादेव का जलाभिषेक भी किया। लखनऊ में केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत की मौजूदगी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सानिध्य में जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन , स्वच्छ भारत मिशन, पीएमकेएसवाई जल शक्ति अभियान एवं डीआरआईपी विस्तार पर समीक्षा बैठक हुई।

राज्यपाल से भारतीय विदेश सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने की शिष्टाचार भेंट

जयपुर, (हि.स.)। राज्यपाल कलराज मिश्र से गुरुवार को राजभवन में भारतीय विदेश सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों के दल ने हरिश्चन्द्र माथुर राजस्थान लोक प्रशासन संस्थान के महानिदेश-ाक आर.वेंकटेश्वरन के नेतृत्व में मुलाकात की। राज्यपाल मिश्र ने प्रशिक्षु अधिकारियों से देश और समाज का भला सोचते हुए सेवा में सदैव उत्कृष्ट कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विदेश सेवा के अधिकारी के रूप में वे भविष्य में जहां भी कार्य करें, भारतीय संस्कृति और उसके गौरव को बढ़ाते हुए समर्पित होकर अपनी सेवाएं दें। दल में प्रशिक्षु अधिकारी प्रकाश कुमार चौधरी, संजीव मांडिया,ऋषभ कुमार रेवार, वैभव रावत और हरिश्चन्द्र माथुर राजस्थान लोक प्रशासन संस्थान की अतिरिक्त निदेशक रितु नन्दा शामिल थे।

गया में पुलिस ने भारी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किए

निरंजन कुमार यादव। बिहार के गया से भारी मात्रा में मादक पदार्थ पुलिस ने बरामद किया है। फर्नीचर की दुकान के आड़ में हीरोइन और गांजा जैसे नशीले पदार्थ का व्यापार करता था प्रवेश सिंह। गुप्त सूचना के आधार पर बेलागंज थाने की पुलिस ने प्रवेश सिंह की फर्नीचर की दुकान पर छापेमारी कर 25 किलोग्राम गांजा एवं 10 पुड़िया हेरोइन बरामद किया है। गिरफ्तार प्रवेश सिंह की निशानदेही पर मादक पदार्थ के माफिया मनोज कुमार के घर पर की गई छापेमारी में 7 ग्राम हेरोइन , एक कीपैड मोबाइल और लाल रंग की होंडा मोटरसाइकिल बरामद की गई है। छापेमारी में डेढ़ किलो चांदी और 400 ग्राम सोना पुलिस ने बरामद किया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जल्द ही गिरफ्तार माफियाओं के निशानदेही पर जिले भर में चलाए जा रहे हैं मादक पदार्थों के नेटवर्क में शामिल सूत्रधार को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

असम से दिल्ली क्राइम प्रेस की सदस्य मैना दास का निधन होने पर दिल्ली क्राइम प्रेस की टीम उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करती है। ईश्वर उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें

बिहार के कोलाइवर में दिल्ली क्राइम प्रेस के लीडर अनिल सिंह की टीम द्वारा मीटिंग का आयोजन कर लोगों को दिल्ली क्राइम के बारे में दी गई जानकारी

DELHI CRIME 13 may 2022:Layout 1 5/12/2022 8:25 PM Page 4

खार्कीव में लगातार रूसी सेना को पीछे ढकेल रहे यूक्रेन के जवान

- दो गांव रूसी कब्जे से छीने

कीव, (हि.स.)। रूस को खार्किव में कब्जे के बाद मंगलवार से लगातार पीछे हटना पड़ रहा है। यूक्रेन की सेना को बुधवार को अपने दो गांव रूसी कब्जे से छीनने में सफलता मिली है। रूस की सीमा से 50 किलोमीटर दूर यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खार्कीव पर कब्जे की लड़ाई फरवरी से जारी है लेकिन दो महीने से ज्यादा की भीषण लड़ाई में रूसी सेना को सफलता नहीं मिली है।

इस बीच यूक्रेन ने डोनबास में रूस से होकर यूरोप को जाने वाली गैस पाइपलाइन की आपूर्ति रोक दी है। रूसी सेना को कड़ी टक्कर दे रही यूक्रेन की सेना अब उसे अपने इलाकों से धकेलकर पीछे भी कर रही है। बीते 24 घंटे में यूक्रेन की सेना ने खार्कीव के पूर्व में स्थित विहिव्का और रूबीझेन गांव रूसी सेना से छीन लिए हैं। इतना ही नहीं यूक्रेनी सैनिक रूसी सेना की आपूर्ति व्यवस्था पर भी हमले कर रहे हैं। ये हमले रूसी सीमा के भीतर तक हो रहे हैं।

आपूर्ति व्यवस्था पर हमला कर और कड़े प्रतिरोध करके यूक्रेनी सेना ने रूसी सेना को कीव पर कब्जा नहीं करने दिया था। कम संसाधनों वाली यूक्रेनी सेना अपनी रणनीतिक कौशल से रूसी सेना के लिए लगातार मुश्किलें खड़ी कर रही है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि खार्कीव क्षेत्र में उनकी सेना भारी पड़ रही है। डोनबास में रूस समर्थित विद्रोहियों के इलाके से होकर जा रही रूसी गैस पाइपलाइन को भी यूक्रेन ने रोक दिया है। करीब 11 हफ्ते से जारी युद्ध में ऐसा पहली बार हुआ है कि यूक्रेन ने यूरोप जा रही रूसी गैस को रोका हो। यूरोप को रूसी गैस और तेल आपूर्ति होने से रूस की आर्थिक स्थिति पर ज्यादा असर नहीं पड़ा है जबकि युद्ध के चलते यूक्रेन की अर्थव्यवस्था तबाह हो चुकी है। इस बीच यूक्रेन के शहर खेरसान पर करीब दो महीने से कब्जा किए रूस ने कहा है कि रूस में शामिल होने का फैसला शहरवासियों को करना है।

वे चाहेंगे तो उन्हें रूस का नागरिक बनाने पर विचार होगा। इसके लिए आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करनी होगी। मारियुपोल में यूक्रेनी सैनिकों और विदेशी लड़ाकों के कब्जे वाली अजोवस्टाल स्टील फैक्ट्री पर रूसी सेना के हमले जारी हैं।

हार की स्थिति में पुतिन कर सकते हैं परमाणु हथियार का इस्तेमाल, अमेरिकी खुफिया अधिकारी की चेतावनी

वाशिंगटन/कीव, (हि.स.)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन में हार की स्थिति में और अपने सत्ता पर खतरा देख संभावित रूप से परमाणु हथियार का इस्तेमाल कर सकते हें। यह चेतावनी एक शीर्ष अमेरिकी खुफिया अधिकारी ने दी है। दुनिया भर में खतरों पर सीनेट को ब्रीफिंग करने वाले खुफिया प्रमुखों के आकलन में यह चेतावनी आई थी। नेशनल इंटेलिजेंस की निदेशक एवरिल हेन्स ने सीनेट की सशस्त्र सेवा समिति को बताया कि पुतिन रूस के परमाणु शस्त्रागार का उपयोग यूक्रेन के लिए और अमेरिका एवं उसके सहयोगियों को समर्थन प्रदान करने से रोकने के प्रयास में जारी रखेंगे। हेन्स ने तर्क दिया कि रूसी नेता परमाणु हथियार का उपयोग तब तक नहीं करेंगे, जब तक कि वह रूस या उनके शासन के लिए एक संभावित खतरा नहीं देख लेते। उन्होंने कहा कि वह यूक्रेन में हार की संभावना को इस तरह के खतरे के रूप में देख सकते हैं।

यूक्रेन नाटो में शामिल रहता तो रूस नहीं करता हमला : जेलेंस्की

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि अगर उनका देश पहले से नाटो समूह में होता तो रूस का हमला नहीं होता। फ्रेंच यूनिवर्सिटी के छात्रों से ऑनलाइन बात करते हुए जेलेंस्की ने कहा कि अगर यूक्रेन युद्ध से पहले नाटो का हिस्सा होता तो कोई हमला नहीं होता।

केमिकल प्लांटों पर हमले का अंदेशा - यूक्रेनी सेना ने चेतावनी दी है कि रूस की सेना देश के केमिकल प्लांटों को निशाना बना सकती है। यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने यह अंदेशा ऐसे समय जताया है, जब रूसी बमबारी में यूक्रेनी तेल भंडारों और अन्य औद्योगिक स्थलों को निशाना गया है।

जर्मनी ने कीव में अपना दूतावास फिर खोला

- रिपोर्ट के मुताबिक रूसी आक्रमण के बाद जर्मनी ने कीव में बंद अपने दूतावास को फिर से खोल दिया है। जर्मन विदेश मंत्री एन्नालेना बारबोक ने मंगलवार को कहा कि उनका देश यूक्रेन का साथ देगा। दो महीने पहले लड़ाई शुरू होने के बाद यूक्रेन की यात्रा पर जाने वाली वह पहली जर्मन मंत्री हैं। जब युद्ध अपराध की जांच एवं उसे लेकर मुकदमा चलाने की बारी आएगी तब भी जर्मनी यूक्रेन के साथ रहेगा।

जीरो कोविड पॉलिसी छोड़ने से चीन में आ सकती है कोरोना की सुनामी, होंगी 16 लाख मौतें

बीजिंग (ईएमएस)। चीन में कोरोना से हाहाकार मचा हुआ है। चीन की सख्त जीरो कोविड रणनीति के तहत ओमिक्रॉन का प्रसार रोकने की कोशिश की जा रही है। चीन की सख्त जीरो-कोविड रणनीति के तहत सार्स-कोव-2 वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप के प्रसार पर लगाम लगाने की कोशिशों में जुटे शंघाई में रक्षात्मक सूट पहनी टीमें कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों के घर पहुंचकर रोगाणुनाशकों का छिड़काव कर रही हैं। शंघाई के फुडन विश्वविद्यालय के शोधकताओं के अनुसार अगर सरकार लंबे समय से चली आ रही कोविड जीरो नीति को छोड़ देती है और अत्यधिक संक्रामक ओमिक्रॉन वेरिएंट को अनियंत्रित फैलने देती है, तो चीन को कोरोना वायरस संक्रमण की सुनामी आ सकती है। जर्नल नेचर में प्रकाशित पीयर-रिव्यू अध्ययन में पाया गया कि चीन के मार्च टीकाकरण अभियान से इम्यूनिटी स्तर ओमिक्रॉन

लहर को रोकने के लिए अपर्याप्त होगा। इसके साथ ही जो बुजुर्गों और उनके बीच कम वैक्सीन दरों को देखते हुए भी इसका खतरा बना रहेगा। अध्ययन में भविष्यवाणी की गई है कि अगर सरकार प्रतिबंध हटाती है तो कोविड-19 के ओमिक्रॉन वेरिएंट में 112.2 मिलियन रोग सूचक मामले, 5.1 मिलियन अस्पताल में भर्ती और 1.6 मिलियन मौतें हो सकती हैं। बता दें कि शंघाई में सोमवार को रोजाना दर्ज होने वाले नए मामलों की संख्या 3,000 के आसपास पहुंच गई जो मध्य अप्रैल में प्रतिदिन सामने आ रहे औसतन 26,000 मामलों से कहीं कम है। शहर में कोविड-19 से छह और मरीजों की जान जाने से वहां संक्रमण से अब तक होने वाली मौतों का आंकड़ा बढ़कर 553 पर पहुंच गया।

दुबई में 29 मिनट तक वृश्चिकासन में रह यश मोरादिया ने रचा कीर्तिमान

दुबई (ईएमएस)। योग की बात हो तो भारत का जिक्र आ ही जाता है अब दुबई में रहने वाले एक भारतीय योग प्रशिक्षक ने एक ऐसा कीर्तिमान रचा है जो गिनीज वर्ल्ड रेकॉर्ड में दर्ज हो गया। योग प्रशिक्षक ने अपने पैरों को ऊपर करके सबसे लंबी अवधि तक वृश्चिकासन करने का रेकॉर्ड बनाया है। 29 मिनट और चार सेकंड तक वह इस मुद्रा में रहे, जिसमें उनका सिर नीचे और पैर ऊपर था। बिच्छू के डंक की तरह उनका पैर मुड़ा हुआ था। यूएई में रहने वाले 22 साल के भारतीय यश मोरादिया ने 29 मिनट चार सेकंड तक वृश्चिकासन करके विश्व रेकॉर्ड बना दिया है। उन्होंने चार मिनट 47 सेकंड के वर्ल्ड रेकॉर्ड को तोड़ दिया है। यश पिछले पांच सालों से इस उपलब्धि को प्राप्त करने की तैयारी कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उनका सपना योग के महत्व की जागरुकता बढ़ाने के लिए वर्ल्ड रेकॉर्ड बनाना था। यश ने कहा, 'वृश्चिकासन, विशेष रूप से स्थिरता के बारे में है। जितनी देर तक हम इस मुद्रा में रहेंगे हमारे जीवन में किसी भी गंभीर स्थिति का सामना करने के लिए मानसिक रूप से तैयार रहने की क्षमता विकसित होगी। योग हमारे अंदर मानिस और शारीरिक बदलाव लाता है। इसके जरिए हम विचारों को सीमित करके हमारे शरीर में छिपी क्षमता को अनलॉक कर सकते हैं।' इतनी देर तक इस मुद्रा में रहने को लेकर उन्होंने कहा, 'ये पूरा खेल मानसिक शक्ति का है। शुरूआती पांच मिनट में दिमाग को स्थिर करने की जरूरत है। क्योंकि मुद्रा में जाने के बाद ही मेरा शरीर तुरंत कांपने लगा। लेकिन दिमाग शांत करने के बाद शरीर भी शांत हो गया। ध्यान केंद्रित करके ही इतनी देर तक मैं ये कर सका।' आठ साल की उम्र से ही यश योग कर रहे हैं।

चीन में तिब्बत एयरलाइंस के विमान में लगी भीषण आग, सवार थे 122 यात्री, सभी सुरक्षित

बीजिंग (ईएमएस)। चीन में एक विमान में लैंडिग के बाद भीषण आग लग गई। यह विमान तिब्बत एयरलाइंस का था। विमान ने जैसे ही चीन के चोंगकिंग एयरपोर्ट के रनवे पर गुरुवार सुबह लैंड किया उसमें आग लग गई। चीन की सरकारी मीडिया ने इस हादसे की जानकारी दी है। हालांकि अच्छी खबर यह रही कि इस भयानक हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। इससे मार्च में चीन में एक भयानक विमान हादसा हुआ था जिसमें 132 सवार थे। चीन के सरकारी मीडिया सीसीटीवी ने कहा कि चोंगकिंग जियांगबेई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर चोंगकिंग से ल्हासा जा रहा एक विमान रनवे से आगे निकल गया, जिससे विमान में आग लग गई। एयरलाइन ने बताया कि विमान में 113 लोग यात्री और 9 क्रू मेंबर सवार थे जिन्हें 'सुरक्षित बाहर निकाल' लिया गया है। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में विमान जलते हुए नजर आ रहा है जिसे दमकलकर्मी बुझाने की कोशिश कर रहे हैं। एयरलाइन ने कहा कि घायल यात्रियों को सिर्फ हल्की चोटें आई हैं और सभी को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। विमान

चीन के चोंगकिंग शहर से तिब्बत के न्यिंगची जा रहा था। वीडियो में विमान से निकलते काले धुएं और आग की लपटों को देखा जा सकता है। करीब दो महीने पहले चीन के कुनमिंग शहर से गुआनझो जा रहा 'चाइना ईस्टर्न एयरलाइन' का विमान बोईंग 737-800 वुझोउ शहर के एक पर्वतीय क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। अधिकारियों को विमान का एक ब्लैक बॉक्स बुरी तरह क्षतिग्रस्त हालत में मिला था। इस विमान में 132 लोग सवार थे जिनका कोई सुराग नहीं मिला था। बाद में सभी की मौत की आशंका जताई गई थी। चीन की तीन सबसे बड़ी विमानन कंपनियों में शामिल 'चाइना ईस्टर्न एयरलाइन' ने इस हादसे के बाद अपने सभी बोईंग 737-800 विमानों की उड़ानें रद्द कर दी थीं। 'चाइना ईस्टर्न एयरलाइन' ने अपनी वेबसाइट का रंग भी बदलकर काला कर दिया था।

तालिबान के बुर्का फरमान के विरुद्ध लामबंद हुई अफगानी महिलाएं

काबुल (ईएमएस)। अफगानिस्तान में तालिबान शासक महिलाओं की आजादी और शिक्षा के खिलाफ हैं। अब काबुल की सड़कों पर तालिबान द्वारा लाए गए नए बुर्का फरमान का विरोध कर रही हैं। इस फरमान के तहत महिलाओं को सार्वजनिक रूप से बुर्का पहनना अनिवार्य है। विरोध कर रहे कार्यकताओं को तालिबान धमकाने पर उतर आया है। बताया गया कि धमकी के बावजूद महिलाओं ने मंगलवार को राजधानी की सड़कों पर मार्च निकाला और न्याय की मांग की।

प्रदर्शन कर रही एक महिला ने कहा, 'तालिबान द्वारा हमें कठोर व्यवहार का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने हमसे कहा कि अगर हम एक कदम आगे बढ़ते हैं, तो वे हम पर 30 राउंड फायर करेंगे।' 7 मई को घोषित किए गए एक फरमान में कहा गया कि महिलाएं सिर से पैर तक बुर्का पहनें। अधिकांश अफगान महिलाएं सिर पर स्कार्फ बांधती हैं, लेकिन काबुल जैसे शहरी क्षेत्रों में, कई महिलाएं अपना चेहरा नहीं ढकती हैं। फरमान का उल्लंघन करने के परिणामस्वरूप महिला के पिता या पुरुष रिश्तेदार को सजा दी जाएगी। उन्हें कैद किया जा सकता है या फिर नौकरी से निकाल दिया जाएगा। इस फरमान को लेकर देश में आक्रोश है। आदेश पर चर्चा के लिए गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक होगी।

आज का इतिहास 13 मई

1503 स्पेनी फौजे फ्रांसिसियों को पराजित कर नेपल्स पहुंची.
1648 दिल्ली का लाल किला बनकर पूरा हुआ.
1809 फ्रांस ने विएना पर कब्जा किया.
1830 इक्वाडोर गणराज्य बना.
1888 ब्राजील की संसद ने दास प्रथा समाप्त करने का प्रस्ताव पारित किया.
1968 अमरीका और उत्तर वियतनाम के बीच शांति वार्ता पेरिस में शुरु हुई.
1969 मलेशिया में दंगो में एक सौ से अधिक लोग मारे गए.
1972 ओसाका, जापान में नाइट क्लब में लगी आग से 116 लोगों की मृत्यु.
1992 अमरीकी अंतरिक्ष शटल इंडेवर के तीन अंतरिक्ष यात्री ने अंतरिक्ष में तैरकर इनसैट-6 की मरम्मत की.
1993 एजर बिजमेन ने इजरायल के राष्ट्रपति पद की शपथ ली.
1996 बंगलादेश में समुद्री तूफान से छह सौ से अधिक लोग मारे गए.
1999 पेरू और इक्वाडोर का सीमा विवाद हल हुआ.
1998 अंतरराष्ट्रीय दबाव के समक्ष न झुकते हुए भारत ने दो और परमाणु विस्फोट किये. परीक्षण अब प्रयोगशाला में संभव. अमेरिका ने भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगाये.
2001 प्रसिद्ध उपन्यासकार आर. के.नारायण का निधन.
2005 केंद्र सरकार ने फूकन आयोग की रिपोर्ट खारिज की.

शहबाज शरीफ के दिल्ली में भारत के लिए व्यापार मंत्री नामित करने पर पाक में छिड़ा घमासान

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान के नए नवेले प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने नई दिल्ली में भारत के लिए व्यापार मंत्री नामित करने पर मुल्क में घमासान छिड़ गया है। शहबाज शरीफ के इस कदम को इमरान खान की भारत नीति के ठीक उलट माना गया। यह भी अटकलें शुरू हो गईं कि पाकिस्तान सरकार भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार को फिर शुरू कर सकती है जिसे कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म किए जाने के बाद बंद कर दिया गया था। अब पाकिस्तान की नई सरकार ने सफाई दी है कि भारत के साथ व्यापार की नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। साथ ही यह भी कहा कि इस नियुक्ति के लिए आवेदन इमरान सरकार ने ही मंगाया था, शहबाज सरकार ने केवल नियुक्ति की है। शहबाज सरकार ने अपनी सफाई में कहा कि नई दिल्ली में यह पद दो दशक से भी ज्यादा समय से बना हुआ है। पाकिस्तान सरकार कुछ भी सफाई दे लेकिन इस फैसले को देश की गंभीर आर्थिक स्थिति के लिहाज से एक बड़े विकास के रूप में देखा जा रहा है। साथ ही इसे इस्लामाबाद द्वारा एक बड़े समझौते और 5 अगस्त, 2019 के बाद भारत के खिलाफ अपने पिछले रुख से पीछे हटने के रूप में भी देखा जा रहा है। शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में एक संघीय कैबिनेट की बैठक में, यह निर्णय लिया गया कि पाकिस्तान भारत के साथ व्यापार को फिर से खोलने की दिशा में काम करेगा और कार्य के लिए नई दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के कमर जमर कैरा को व्यापार मंत्री के रूप में नियुक्त करेगा। इसके अलावा, इसी तरह के व्यापार अधिकारियों और मंत्रियों को कम से कम 15 देशों में नामित किया जा रहा है, ताकि उनके संबंधित देशों के साथ व्यापार संबंधों और समझौतों को बढ़ाया जा सके। भारत के साथ व्यापार फिर से शुरू करने का निर्णय एक कठिन निर्णय है जो शहबाज शरीफ ने लिया है क्योंकि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने मोदी सरकार द्वारा अपने संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को बदलने के बाद भारत के साथ व्यापार रोक दिया था। इमरान खान ने भारत के साथ राजनयिक संबंधों को भी डाउनग्रेड कर दिया था और इस्लामाबाद में तत्कालीन भारतीय उच्चायुक्त को भी देश छोड़ने के लिए कहा था। इससे पहले, भारत के साथ

व्यापार को फिर से शुरू करने की उसी सिफारिश को तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान ने जम्मू-कश्मीर की विशेष स्थिति की बहाली तक खारिज कर दिया था। वर्तमान निर्णय की विश्लेषकों और बड़े पैमाने पर जनता की ओर से गंभीर आलोचना की गई है, जो शहबाज शरीफ सरकार पर पाकिस्तान के हितों से समझौता करने और कश्मीर के लोगों की आशाओं को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। वरिष्ठ पत्रकार और विश्लेषक नाजिम जेहरा ने कहा, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा भारत के साथ व्यापार की दिशा में उठाया गया कोई भी कदम न केवल कश्मीरियों को बेचैन करेगा, बल्कि भारतीय आधिपत्य के प्रति नरम समर्पण की शुरूआत होगी। इस फैसले से शहबाज शरीफ को राजनीतिक तौर पर कोई मदद मिलने की भी उम्मीद नहीं है। हालांकि, इसने निश्चित रूप से पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के लिए एक नया बिंदु दिया है, जिन्होंने शहबाज शरीफ को भारत के सामने झुकने और देश की नीति पर वापस आने के लिए नारा दिया है, 5 अगस्त, 2019 के बाद सहमत हुए। पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति एक मंदी की ओर बढ़ रही है, जो कि अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की 6 अरब डॉलर की ऋण सुविधा के पुनरुद्धार के लिए सख्त मांगों के साथ है। उधर, एक पाक अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान सरकार के भारत के साथ पर्दे के पीछे से संबंधों की शुरूआत इमरान खान के समय से ही हो गई थी। इमरान खान ने एक समय में भारत के साथ व्यापार को आंशिक मंजूरी दे दी थी और इसी नीति के तहत चीनी और कपास के आयात को मंजूरी दी थी। हालांकि जनता के भड़कने के डर से इस फैसले को पाकिस्तानी कैबिनेट ने मंजूरी नहीं दी थी। विश्लेषकों का कहना है कि जिस तरह से पाकिस्तान की राजनीति में अस्थिरता बनी हुई है, चुनाव होने तक भारत के साथ रिश्तों में कोई स्पष्ट बदलाव होने की संभावना बहुत कम ही है।

कोरोनारोधी टीके की चौथी खुराक एंटीबॉडी बढ़ाने में काफी सहायक : ब्रिटिश अध्ययन

लंदन (ईएमएस)। महामारी कोरोना से बचाव के एकमात्र विकल्प कोरोनारोधी टीका ही है। अब ब्रिटिश अध्ययन में नया कुलासा हुआ है कि फाइजर या मॉडर्ना कोविड-19 रोधी टीके की चौथी खुराक सुरक्षित है और तीसरी खुराक के मुकाबले एंटीबॉडी के स्तर को कहीं अधिक बढ़ाती है। ब्रिटेन में हुए एक राष्ट्रव्यापी अध्ययन के हालिया नतीजों में यह बात सामने आई। अनुसंधानकताओं ने कहा कि ब्रिटेन में बीमारी के लिहाज से बेहद संवेदनशील लोगों को कोविड-19 रोधी टीके की चौथी खुराक ह्यस्प्रिंग बूस्टरह्न के तौर पर दी जा रही है। उन्होंने कहा कि अध्ययन के आंकड़े उपलब्ध होने से पहले प्रतिरक्षा के उच्च स्तर को बनाए रखने के लिए यह एक एहतियाती रणनीति रही है। प्रकाशित नतीजे बताते हैं कि कोविड-19 के लिए चौथी खुराक एमआरएनए बूस्टर टीके उन लोगों में अच्छे नतीजे दिखाते हैं जिन्हें फाइजर टीका तीसरी खुराक के रूप में दिया गया था। शोधकताओं के अनुसार, ये एंटीबॉडी और कोशिकीय प्रतिरक्षा, दोनों को आधाररेखा और उससे ऊपर के स्तर तक तथा तीसरी बूस्टर खुराक के बाद देखे गए अधिकतम स्तर से आगे लेकर जाते हैं। एनआईएचआर साउथैम्पटन क्लीनिकल रिसर्च फेसिलिटी के निदेशक और परीक्षण प्रमुख प्रोफेसर साउल फाउस्ट ने कहा, यह नतीजे मौजूदा स्प्रिंग खुराक प्राप्त कर रहे अत्यधिक संवेदनशील लोगों को होने वाले फायदे रेखांकित करते हैं और ब्रिटेन में शरद ऋतु में किसी भी संभावित टीकाकरण कार्यक्रम के लिये भरोसा देते हैं, अगर टीकाकरण और प्रतिरक्षीकरण पर संयुक्त समिति उस समय इसकी आवश्यकता समझती है। अध्ययन में जून 2021 में फाइजर या एस्ट्राजेनेका की शुरूआती खुराक लेने के बाद 166 ऐसे लोगों को चुना गया जिन्होंने तीसरी खुराक के तौर पर फाइजर का टीका लिया था। इन लोगों को बिना किसी निर्धारित क्रम के चौथी खुराक के तौर पर फाइजर की पूर्ण खुराक या मॉडर्ना की आधी खुराक लगवाने के लिए चुना गया।

उत्तर कोरिया में शीर्ष नेता किम जोंग उन कोविड-19 संक्रमण रोकने को लेकर बुलायी गयी एक बैठक की अध्यक्षकता करते हुए। (फोटो-ईएमएस)

DELHI CRIME 13 may 2022:Layout 1 5/12/2022 8:25 PM Page 5

वर्कफोर्स की कमी की वजह से स्विगी ने कई प्रमुख शहरों में बंद की जिनी सेवा

बेंगलुरु (ईएमएस)। फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी ने कई प्रमुख महानगरों में अपनी पिक-अप और ड्रॉप-ऑफ सेवा जिनी को अस्थाई रूप से बंद कर दिया है। इसकी वजह यह है कि कंपनी इस समय डिलीवरी वर्कफोर्स की समस्या से जूझ रही है। स्विगी जिनी की सेवाएं मुंबई, हैदराबाद और बेंगलुरु में प्रभावित हुई हैं। मामले से वाकिफ लोगों का कहना है कि यह सर्विस पिछले सात दिनों से उपलब्ध नहीं है। एक व्यक्ति ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कंपनी फूड-डिलीवरी और अपने क्विक कॉमर्स बिजनेस इंस्टामार्ट को प्राथमिकता दे रही है। स्विगी के प्रवक्ता के मुताबिक स्विगी जिनी 68 में से 3 शहरों में अस्थाई रूप से उपलब्ध नहीं है। क्रिकेट और त्योहारी सीजन के कारण फूड मार्केटप्लेस और इंस्टामार्ट दोनों के लिए जरूरतों की पूर्ति की मांग में वृद्धि हुई है, जिसके लिए हमें इन डिलीवरी को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। हम जल्द ही प्रभावित शहरों में स्विगी जिनी के फिर से शुरू होने की उम्मीद में हैं। मामले की जानकारी रखने वाले और डिलीवरी एक्जीक्यूटिव ने बताया कि ईंधन की बढ़ती कीमतों और अर्थव्यवस्था में समग्र मुद्रास्फीति के बीच कई खाद्य और किराना वितरण कंपनियां अपने राइडर्स को भुगतान बढ़ाने में असमर्थ रही हैं। इसके परिणामस्वरूप गिग इकॉनमी में सप्लाई साइड के मुद्दे सामने आए हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, ये राइडर्स बाइक टैक्सी और ई-कॉमर्स डिलीवरी सहित अन्य विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। महामारी के दौरान जब अन्य रोजगार विकल्प घटते गए तो डिलीवरी पार्टनर, गिग वर्कफोर्स में शामिल हो गए। अब उन्हें नौकरी के बेहतर अवसर मिल रहे हैं क्योंकि अर्थव्यवस्था खुल रही है। स्टाफिंग एजेंसी टीमलीज की कोफाउंडर और एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट ऋतुपर्णा चक्रवर्ती ने कहा कि क्विक कॉमर्स इंडस्ट्री में गिग श्रमिकों की मांग ने सप्लाई शॉर्टेज को बढ़ा दिया है, खासकर बेंगलुरू, मुंबई और नई दिल्ली में। उस तरह की प्रोफाइल में बहुत बड़ी मांग है साथ ही इस तथ्य को भी नहीं भूलना चाहिए कि बाजार में अभी बहुत सारे विकल्प हैं, जो अनिवार्य रूप से पूरी आपूर्ति श्रृंखला को बहुत अनिश्चित बना रहे हैं, बहुत सारी कंपनियां एक जैसी ही वर्कफोर्स के लिए होड़ कर रही हैं।

औंधें मुंह शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड प्रभावित, अप्रैल में घटा 44 फीसदी निवेश

नई दिल्ली (ईएमएस)। उम्मीदों और जोखिमों के बीच भारतीय शेयर बाजार के लिए साल 2021 जितना बेहतर साबित हुआ था, यह साल उतना ही दबाव वाला बन गया है। इसका असर न सिर्फ स्टॉक्स में पैसे लगाने वालों पर पड़ रहा, बल्कि म्यूचुअल फंड उद्योग पर भी बाजार के करेक्शन का गहरा असर दिख रहा है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड इन इंडिया (एएमएफआई) की ओर से जारी एक आंकड़े के अनुसार, अप्रैल महीने में बाजार में गिरावट की वजह से इक्विटी म्यूचुअल फंड का निवेश 44 फीसदी घट गया है। इस दौरान इक्विटी म्यूचुअल फंड में महज 12,574 करोड़ रुपये का निवेश आया है, जबकि इससे एक महीने पहले यानी मार्च में 28,464 करोड़ का निवेश आया था। इसका सीधा मतलब है कि अप्रैल में बाजार के उतार-चढ़ाव की वजह से इक्विटी फंड का निवेश 15,890 करोड़ रुपये घट गया। एम्फी का कहना है कि ग्लोबल लेवल पर जियोपॉलिटिकल टेंशन बढ़ने की वजह से दुनियाभर के शेयर बाजारों पर जोखिम बढ़ गया है। रूस-यूक्रेन युद्ध और क्रूड की बढ़ती कीमतों ने शेयर बाजार को नीचे धकेल दिया। महामारी से उबरती अर्थव्यवस्थाओं को सुधारने के लिए सभी देशों के केंद्रीय बैंकों ने कुछ सख्त कदम उठाए, जिसका असर भी बाजार के निवेशकों के सेंटिमेंट पर पड़ा। आंकड़े बताते हैं कि सिस्टमेटिक इंवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये निवेश में भी भारी गिरावट आई है। अप्रैल में सिप के जरिये महज 11,863.09 करोड़ रुपये का निवेश आया, जो एक महीने पहले यानी मार्च में 12,327.91 करोड़ था। हालांकि, इस दौरान सिप के खातों की संख्या में बंपर उछाल आया। अप्रैल में सिप के जरिये निवेश करने वाले खातों की संख्या बढ़कर 5.39 करोड़ पहुंच गई, जो मार्च में 5.27 करोड़ थी। एम्फी के अनुसार, म्यूचुअल फंड उद्योग के लिए नया वित्तवर्ष (2022-23) बेहतर शुरूआत लेकर आया है। अप्रैल में म्यूचुअल फंड में कुल 72,847 करोड़ रुपये का निवेश आया, जिसमें इक्विटी की हिससेदारी तो कम रही, लेकिन डेट म्यूचुअल फंडों में 54,756।60 करोड़ रुपये का जबरदस्त निवेश आया है। इससे 30 अप्रैल तक म्यूचुअल फंड उद्योग का नेट एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) 17 फीसदी बढ़कर 38.03 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। एम्फी के सीईओ एनएस वेंकटेश का कहना है कि बाजार में गिरावट के बावजूद अभी निवेशकों का भरोसा म्यूचुअल फंड पर बना हुआ है। अप्रैल के आंकड़े बताते हैं कि पिछले साल की तुलना में म्यूचुअल फंड का कुल फोलियो 33 फीसदी बढ़कर 13.13 करोड़ पहुंच गया है, जो अब तक का रिकॉर्ड है। मार्च के मुकाबले अप्रैल में 1 फीसदी की तेजी आई है। अप्रैल में तीन एनएफओ लांच किए गए हैं, जिनमें 3,240 करोड़ का निवेश आया। उन्होंने कहा कि निवेशकों को आगे भी म्यूचुअल फंड में पैसे लगाते रहना चाहिए, क्योंकि बाजार में गिरावट के बावजूद इसके रिटर्न पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। इन फंडों में डाइवर्सिफिकेशन काफी रहता है, जिससे निवेशकों के नुकसान की आशंका कम हो जाती है।

पीएनबी का मुनाफा 66 प्रतिशत घटकर 202 करोड़ हुआ

नई दिल्ली (ईएमएस)। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) का मार्च, 2022 में समाप्त बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही का मुनाफ 66 प्रतिशत घटकर 202 करोड़ रुपए रह गया। हालांकि, तिमाही के दौरान बैंक की गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) घटी हैं लेकिन प्रावधान ऊंचा रहने से उसके मुनाफे में कमी आई है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक ने 586 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में बैंक ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी कुल एकल आय 21,095 करोड़ रुपए रही, जो एक साल पहले समान अवधि में 21,386 करोड़ रुपए थी। पूरे वित्त वर्ष 2021-22 में बैंक का मुनाफा बढ़कर 3,456.96 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो 2020-21 में 2,021.62 करोड़ रुपए था। मार्च, 2022 तक बैंक की सकल गैर निष्पादित आस्तियां घटकर 11.78 प्रतिशत रह गईं, जो एक साल पहले 14.12 प्रतिशत पर थीं। बैंक का शुद्ध एनपीए भी 5.73 प्रतिशत से घटकर 4.8 प्रतिशत रह गया। चौथी तिमाही में बैंक का डूबे कर्ज और आकस्मिक खर्च के लिए प्रावधान 3,540.32 करोड़ रुपए से बढ़कर 4,851.47 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। बैंक के निदेशक मंडल ने 2021-22 के लिए दो रुपए के अंकित मूल्य के शेयर पर 64 पैसे प्रति शेयर के लाभांश की सिफारिश की है।

भारत-यूएई के बीच बन सकता है धन-प्रेषण गलियारा: लुलू

- अंतर-परिचालनीय डिजिटल समाधानों के निर्माण के लिए अनुकूल माहौल भी बनेगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। वित्तीय सेवा कंपनी लुलू फाइनेंशियल होल्डिंग्स का कहना है कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच हुए वृहद आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) से दोनों देशों के बीच धन-प्रेषण गलियारे को बढ़ावा मिलने के साथ ही अंतर-परिचालनीय डिजिटल समाधानों के निर्माण के लिए अनुकूल माहौल पैदा होगा। यूएई की राजधानी अबू धाबी स्थित लुलू फाइनेंशियल होल्डिंग्स का यूएई के अलावा भारत में भी खासा निवेश है। भारत और यूएई के बीच 18 फरवरी को सीईपीए समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। यह एक मई से लागू हो गया है। लुलू फाइनेंशियल के एक वरिष्ठ अधिकारी प्रबंध निदेशक अदीब अहमद ने कहा कि भारत और यूएई का रिश्ता इस समय सबसे ऊंचे स्तर पर है। यूएई की कंपनियों के बीच भारत में निवेश को लेकर खासा आकर्षण देखा जा रहा है। सीईपीए वह नींव बनने जा रही है जिस पर आगे चीजें खड़ी होंगी। भारत दौरे पर आए यूएई के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल अहमद ने कहा कि इस अंतर्निहित बुनियाद से व्यापार, उत्पाद, सेवा एवं डिजिटल समाधान जैसे कई क्षेत्रों को फायदा हो सकता है। उन्होंने कहा कि सीईपीए दोनों देशों के निवेशकों एवं मौजूदा उद्यमियों के लिए अंतर-परिचालनीय डिजिटल समाधान लाने को एक अनुकूल माहौल पैदा करने का काम करेगा। यूएई में रहने वाले भारतीय नागरिक बड़े पैमाने पर अपने घरवालों को पैसे भेजते हैं लिहाजा सहज धन-प्रेषण या रेमिटेंस सुविधा से उन्हें काफी सहूलियत होगी। भुगतान उद्योग के नजरिये से देखें तो यह समझौता यूएई एवं भारत के बीच धन-प्रेषण गलियारे को प्रोत्साहन देगा। उन्होंने कहा कि भारत और यूएई के बीच होने वाला 20 अरब डॉलर से अधिक का धन-प्रेषण अमेरिका-मेक्सिको के बाद दूसरा सबसे बड़ा गलियारा है। इसका भारत में विदेश से आने वाले रेमिटेंस में 33 प्रतिशत हिस्सा है। लुलू ग्रुप के चेयरमैन यूसुफअली एमए ने कहा कि सीईपीए पर हस्ताक्षर होने से दोनों देशों के बीच सहयोग के कई नए क्षेत्र खुलेंगे और दोनों देशों की कंपनियों को इसका लाभ मिलेगा।

बैंकों में 20 लाख जमा करने या निकालने पैन या आधार देना जरूरी हुआ

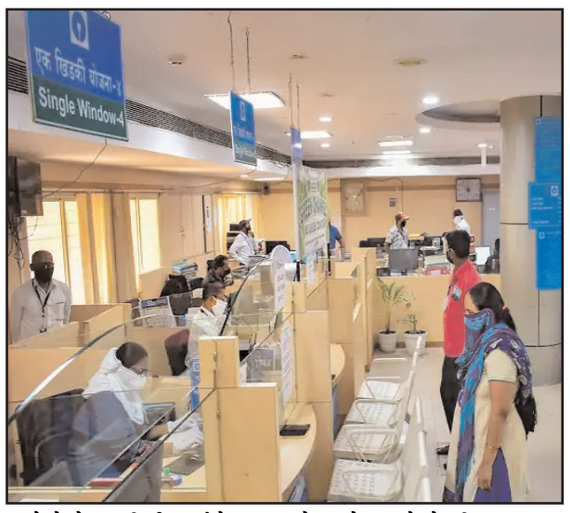

नई दिल्ली (ईएमएस)। अब सरकार ने बैंकों में पैसा जमा कराने और निकालने के लिए नए नियम लागू कर दिए हैं। नए नियमों के तहत अब बैंकों में 20 लाख रुपए से ज्यादा की रकम जमा करने या निकालने के लिए पैन या आधार देना अनिवार्य कर दिया है। सरकार ने एक नोटिफिकेशन जारी कर इन नियमों को लागू कर दिया है। इन नियमों का उद्देश्य भी ऐसे लोगों के फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन को ट्रैक करना है, जिनके पास अभी तक परमानेंट अकाउंट नंबर (पीएएन) नहीं है ।एक रिपोर्ट के अनुसार केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने आयकर (15वां संशोधन) नियम, 2022, के तहत नए नियम बनाए हैं। इन नए नियमों के लागू होने के बाद अब अगर कोई व्यक्ति किसी बैंकिंग कंपनी, सहकारी बैंक या डाकघर में एक या एक से अधिक खातों में एक वित्तीय वर्ष में कुल 20 लाख रुपए या उससे अधिक राशि जमा करता है तो उसे पैन या आधार कार्ड देना होगा। इसी तरह अगर कोई व्यक्ति किसी बैंकिंग कंपनी, सहकारी बैंक या डाकघर एक या एक से अधिक खातों में से एक वित्तीय वर्ष में कुल 20 लाख रुपए या उससे अधिक राशि निकलवाता है तो उसे पैन या आधार कार्ड देना होगा। यहीं नहीं, अब बिना पैन या आधार कार्ड के किसी बैंकिंग कंपनी, सहकारी बैंक या डाकघर में बिना पैन और आधार के करंट या कैश क्रेडिट अकाउंट नहीं खुलवा पाएगा। जानकारी के मुताबिक सरकार अपने टैक्सपेयर बेस को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसलिए सरकार ने अब ऐसे लोगों को टैक्स दायरे में लाने के लिए नए नियम बनाए हैं जो बड़े ट्रांजेक्शन तो करते हैं, पर उनके पास पैन कार्ड नहीं है। बड़े ट्रांजेक्शन करने वाले लोग जब एक बार पैन उपलब्ध करा देंगे तो उनकी ट्रांजेक्शन को ट्रैक करना आसान हो जाएगा।

वीवो की लेटेस्ट एक्स 80 सीरीज अगले हफ्ते होगी लॉन्च

-फोन में मिलेगी 12जीबी रैम और पावरफुल बैटरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। चाइनीज कंपनी वीवो द्वारा भारत में लेटेस्ट एक्स 80 सीरीज को अगले हफ्ते लॉन्च किया जाएगा। वीवो एक्स80 लाइनअप में दो फोन वीवो एक्स 80 और वीवोएक्स 80 प्रो शामिल है। वीवो एक्स80 सीरीज का इंडिया लॉन्च इवेंट 18 मई को होने वाला है। इन दोनों फोन वीवो चीन और ग्लोबल लेवर पर पहले पेश किया जा चुका है, और अब इसे भारत में पेश किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक, वीवो भारत में ऑरेंज कलर वेरिएंट को नहीं पेश करेगा। रिपोर्ट में वीवो एक्स80 और एक्स80 प्रो के रैम, कलर और स्टोरेज वेरिएंट का भी खुलासा हुआ है। रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि वीवो एक्स80 8जीबी/128जीबी और 12जीबी/256जीबी कॉनफिगरेशन में उपलब्ध कराया जाएगा, जबकि वीवो एक्स 80 प्रो सिंगल 12जीबी/256जीबी मॉडल में आएगा। इसके अलावा ये भी दावा किया जा रहा है कि वीवो एक्स 80 सीरीज में माइक्रो एसडी कार्ड स्लॉट मिलेगा, जो कि चीनी वर्जन में नहीं है। वीवो एक्स 80 की कीमत मलेशिया में आरएम3,499 है, जो भारतीय रुपये में लगभग 61,600 रुपये हैं। वहीं वीवो एक्स 80 प्रो की कीमत आरएम 4,999 है, जो लगभग 88,000 रुपये है.वीवो एक्स 80 में मीडियाटेक टॉप ऑफ द लाइन डायमेंसिटी 9000 एसओसी के साथ 12जीबी की ऑनबोर्ड एलपीडीडीर-आर5 रैम, 4जीबी की एक्सटेंडबल रैम और 256 जीबी की ब्लेज़िंग फास्ट 256 जीबी यूएफएस 3.1 स्टोरेज दी गई है। पावर के लिए फोन में 4,500 एमएएच की बैटरी दी गई है, जो कि वीवो की दमदार 80 डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग के साथ आती है। फोन के बैक पर एक 48 मेगापिक्सल का सोनी आईएमएक्स 598 अल्ट्रावाइड ऐंगल लेंस, एक 12 मेगापिक्सल का सोनी आईएमएक्स 663 टेलीफोटो लेंस और 8 मेगापिक्सल का पेरीस्कोप लेंस दिया गया है। फोन के फ्रंट में 32 मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा भी मौजूद है। वीवो का दावा है कि फोन की 80डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग से फोन सिर्फ 11 मिनट में 0 प्रतिशत से 50 प्रतिशत और 34 मिनट में 0 प्रतिशत से 100 प्रतिशत चार्ज हो जाएगा.कैमरे के तौर पर नए फोन वीवो एक्स80 प्रो में वीवो वी1+ आईएसपी है और इसके साथ ही इसमें 50 मेगापिक्सल का सैमसंग जीएनवी सेंसर भी दिया गया है।

बिड़ला कॉर्प का चौथी तिमाही का मुनाफा 55 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली (ईएमएस)। एमपी बिड़ला समूह की कंपनी बिड़ला कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने बताया कि 31 मार्च, 2022 को समाप्त चौथी तिमाही में उसका मुनाफा 55.44 प्रतिशत घटकर 111.08 करोड़ रुपए रह गया। कंपनी ने कहा कि मुनाफे में गिरावट की मुख्य वजह ऋण का समायोजन था। बिड़ला कॉर्पोरेशन ने एक साल पहले जनवरी-मार्च तिमाही में 249.33 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी परिचालन आय 6.17 प्रतिशत बढ़कर 2,264.21 करोड़ रुपए हो गई, जो एक साल पहले की समान तिमाही में 2,132.61 करोड़ रुपए थी। बिड़ला कॉरपोरेशन का कुल खर्च 2,141.92 करोड़ रुपए रहा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के 1,908.49 करोड़ रुपए से 12.23 प्रतिशत अधिक है।

पोर्श इंडिया दो नई हाई-परफॉर्मेंस कार जल्द करेगी लांच

- 3.4 सेकंड पकड़ेगी 100 केएम/एच की रफ्तार

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में पोर्श इंडिया जल्द ही दो नई हाई-परफॉर्मेंस कार 718 केमैन जीटी4 आरएस और केयेन टर्बो जीटी को लॉन्च करेगी। इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। पोर्श ने अपने तिमाही बिक्री परिणामों की घोषणा के दौरान नई योजनाओं के बारे में जानकारी दी। पोर्श द्वारा इन दोनों हाई परफॉर्मेंस वाले मॉडलों को भारत में सीबीयू यूनिट के रूप में लाने की संभावना है। कंपनी इंडिया में इन्हें असेम्बल करेगी। उन्हें इंटरनेशनल-स्पेक 718 केमैन जीटी4 आरएस और केयेन टर्बो जीटी जैसी सुविधाएं भी मिलेंगी. सूप-अप 718 केमैन जीटी4 आरएस की इंजन की बात करें तो इसमें 911 जीटी3 कप ड्राइव्ड 3,996सीसी, फ्लैट-6 सिलेंडर, नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन मिलता है, इंजन 493बीएचपी की पावर और 450एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है.इंजन 9,000 आरपीएम तक सभी तरह से घूमने में सक्षम है और एक नए सात-स्पीड पीडीके डुअल-क्लच ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ आता है। यह कार 3.4 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक पहुंचा सकता है, जबकि 0-200 किमी प्रति घंटे की रफ्तार सिर्फ 10.9 सेकेंड में हासिल कर लेती है। दूसरी ओर लेम्बोर्गिनी उरुस को टक्कर देने वाली केयेन टर्बो जीटी अब तक का सबसे तेज केयेन मॉडल है।यह एक रिवाज्ड 4.0-लीटर, ट्विन-टर्बोचार्ज्ड वी8 पेट्रोल इंजन के साथ आता है।यह इंजन 632बीएचपी की अधिकतम शक्ति और 850 एनएम का पीक टॉर्क देने के लिए रेट किया गया है।

मारुति सुजुकी ब्रेजा नाम से लॉन्च होगी ये कार

-नई मारुति ब्रेझा 25 मई को होगी लॉन्च!

नई दिल्ली (ईएमएस)। मारुति सुजुकी कंपनी इस बार विटारा को छोड़ देगी और इसे मारुति सुजुकी ब्रेजा नाम से लॉन्च किया जाएगा। रिपोर्टों की मानें तो सबकॉम्पैक्ट एसयूवी कई डिजाइन और फीचर्स अपडेट के साथ आएगी। उम्मीद की जा रही है कि यह 25 मई को लॉन्च हो सकती है। इसके इंजन में अहम बदलाव मिल सकते हैं। नई ब्रेजा में पहली बार कई नए फीचर्स से लोड किया जाएगा। सबसे बड़े बदलावों में से एक बड़ा और अपडेटेड 9.0-इंच इंफोटेनमेंट सिस्टम के रूप में दिखाई देगा, जो वायरलेस ऐपल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो कनेक्टिविटी को सपोर्ट करेगा। इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर भी नया होगा.बिल्कुल-नई ब्रेजा बेहतर स्टाइल के साथ आएगी, जिसमें नई डिजाइन की गई फ्रंट ग्रिल और इंटीग्रेडेट ड-ीआरएल के साथ नए ट्विन-पॉड प्रोजेक्टर एलईडी हेडलैंप होंगे। फ्रंट और रियर बंपर को भी अपडेट किया जाएगा। एसयूवी में नए फॉग लैंप असेंबली और नई फॉक्स स्किड प्लेट मिलेगी। मौजूदा अलॉय व्हील्स को नई डिजाइन वाली यूनिट्स से रिप्लेस किया जाएगा। रियर प्रोफाइल को रिवाइज्ड टेललैंप्स के साथ अपडेट किया जाएगा। कार निमार्ता नए-जीन मॉडल लाइनअप में नए कलर ऑप्शन के साथ इसे उतार सकती है. सबकॉम्पैक्ट एसयूवी को फैक्ट्री-फिटेड इलेक्ट्रिक सनरूफ के साथ पेश किए जाने की खबर है। नई बलेनो की तरह मारुति ब्रेजा 2022 को हेड-अप डिस्प्ले यूनिट के साथ पेश किया जा सकता है। इसके अलावा एसयूवी में वायरलेस स्मार्टफोन चार्जिंग, एक नया फ्लैट-बॉटम स्टीयरिंग, कनेक्टेड कार टेक और कई फीचर्स भी हो सकते हैं। जानकारी के मुताबिक, नई 2022 मारुति ब्रेजा क्रैश टेस्ट में टॉप सेफ्टी रेटिंग हासिल करने में सक्षम होगी। एसयूवी के नए मॉडल को 6 एयरबैग, हिल डिसेंट और हिल होल्ड असिस्ट और टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम के साथ पेश किए जाने की संभावना है। नए-जीन मॉडल के मजबूत बॉडीशेल होने की सूचना है.नई मारुति ब्रेजा 2022 में अपडेट 1.5एल के15सी नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन मिल सकता है, जो 103बीएचपी की पावर और 137 एनएम पीक टॉर्क देता है। इसमें एक नया 6-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक गियरबॉक्स भी मिलेगा। यह पैडलशिफ्टर्स के साथ आएगा, हालांकि, 5-स्पीड मैन्युअल ट्रांसमिशन स्टैण्डर्ड के रूप में आता रहेगा।

दैनिक पंचांग

13 मई 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

शुक्रवार 2022 वर्ष का 133 वां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2079 **शक संवत्** 1944 **मास** वैशाख **पक्ष** शुक्ल **तिथि** द्वादशी 17.28 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** हस्त 18.48 बजे को समाप्त। **योग** वज्र 15.41 बजे को समाप्त। **करण** बव 06.15 बजे, बालव 17.28 बजे तदनन्तर कौलव 04.30 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 12.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 18° 20' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871247 **जूलियन दिन** 2459712.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** सव्वाल **तारीख** 11 **विशेष** प्रदोष व्रत, परशुराम द्वादशी।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	05.31 बजे से
चंद्र	कन्या में	मिथुन	07.29 बजे से
मंगल	कुंभ में	कर्क	09.42 बजे से
बुध	वृष में	सिंह	11.58 बजे से
गुरु	मीन में	कन्या	14.10 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	16.21 बजे से
शनि	कुंभ में	वृश्चिक	18.36 ब.से
राहु	मेष में	धनु	20.52 बजे से
केतु	तुला में	मकर	22.57 बजे से
राहुकाल		कुंभ	00.43 बजे से
10.30 से		मीन	02.16 बजे से
12.00 बजे तक		मेष	03.47 बजे से

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55	से	07.23 बजे तक	रोग	05.38	से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23	से	08.51 बजे तक	काल	07.11	से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51	से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43	से	10.15 बजे तक
काल	10.19	से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15	से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47	से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47	से	01.19 बजे तक
रोग	01.15	से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19	से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43	से	04.10 बजे तक	चर	02.51	से	04.23 बजे तक
चर	04.10	से	05.38 बजे तक	रोग	04.23	से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का राशिफल

शुभ संवत 2079, शाके 1944, सौम्य गोष्ठ, वैशाख शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे तथा शुक्रोदय पूर्वे तिथि एकादशी, गुरुवासरे, उ.फा. फाल्गुनी नक्षत्रे, हर्ष योगे, विवकरणे, कन्या की चंद्रमा, भद्रा दो.2/47 तक मोहनी एकादशी व्रत, जातकर्म, नामाकरण, अन्नप्रासन, कर्ण वेध, दुरागमन, वाहन क्रय विक्रय, दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ तथा उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.....

आज जन्म लिया बालक जिद्दी, हठी, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता, अधिवक्ता, शासक, प्रशासक, कमीशन एजेन्ट, बैंक कर्मचारी, कैशियर, लेखा पाल, कम्प्यूटर इंजीनियर, कम्प्यूटर ऑपरेटर तथा शिक्षक तथा प्रोफेसर होगा।

मेष- किसी तनाव पूर्ण स्थिति से बचकर चले अपने आय में निर्णय न करें ध्यान दें।

वृष- कोई शुभ समाचार हर्ष प्रदर रखे थकावट बेचैनी धन का व्यय अवश्य होगा।

मिथुन- व्यर्थ क्लेश व अशांति में फंसने से बचिए विरोधी तत्व परेशान अवश्य करेंगे।

कर्क- स्वभाव में बेचैनी तनाव तथा क्लेश अशांति होते हुए भी आपकों लाभ होंवेगा।

सिंह- असमंजस क्लेश प्रद रखे झूठे आश्वासनों का विश्वास ने करे कार्य पूरा करें।

कन्या- इष्टमित्र सुख वर्धक हो अधिकारियों से सर्मथन मिलेगा योजना फलीभूत हो।

तुला- संघर्ष में सफलता कार्य गति कुछ अनुकूल समस्याएं२ सुलझेगी ध्यान देवें।

वृश्चिक- उपद्रव विरोध व विवाद कष्टप्रद हो धन की वृथा हानि संभव होवेंगी।

धनु- मानसिक बेचैनी मन उद्विघ्न रखे कुटुम्ब की समस्याएह सुलझेगी।

मकर- इष्ट मित्र सुख वर्धक हो अधिकारी से तनाव बनेगी समय का ध्यान रखे।

कुंभ- कुटुम्ब की चिन्ताएह मन व्यग्र रखे वृथा धन का व्यय अवश्य ही होवेगा।

मीन- वृथा भ्रमण से धन हानि चिन्ताएं मन उद्विघ्न रखे कार्य अवरोध होगा।

DELHI CRIME 13 may 2022:Layout 1 5/12/2022 8:25 PM Page 6

गोवा, चेन्नइयन ने जीत के साथ किया आरएफडीएल में अपना सफर समाप्त

गोवा, (हि.स.)। एफसी गोवा और चेन्नइयन एफसी ने बुधवार को जीत के साथ रिलायंस फाउंडेशन डेवलपमेंट लीग (आरएफडीएल) में अपने सफर का समापन किया। गोवा ने जहां रिलायंस फाउंडेशन यंग चैंप्स को अंतिम राउंड के मैच में 2-0 से हराया वहीं चेन्नइयन ने मुम्बई सिटी एफसी को 3-2 से अंतर से हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की। मुम्बई सिटी एफसी का खाता हालांकि नहीं खुल सका। गोवा और रिलायंस यंग चैंप्स के बीच खेला गया मैच पहले हाफ में गोलरहित रहा। इस दौरान हालांकि गोवा की टीम कुछ मौकों पर लीड लेने के करीब आई लेकिन वह चूक गया। रायान मेनेंजेस का एक शॉट क्रॉसबार से टकराकर लौट गया। रायान ने हालांकि 77वें मिनट में गोल करते हुए अपनी टीम को लीड दिलाई। इसके बाद जोवियाल डियास ने अपनी टीम के लिए 88वें मिनट में गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। यह इस टूर्नामेंट में उनका पांचवां गोल था। गोवा ने सात मैचों में 13 अंकों के साथ अपना सफर समाप्त किया जबकि आरएफ यंग चैंप्स ने इतने ही मैचों से सात अंक लेकर अपने प्रभावशाली सफर का समापन किया। शाम को हुए मैच में पांच मिनट के भीतर तीन गोल हुए। स्थानापन्न सफियान शेख ने 19वें मिनट में गोल करते हुए चेन्नइयन को लीड दिलाई। मुम्बई की टीम ने हालांकि 21वें मिनट में गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। मुम्बई के लिए यह गोल मोहम्मद आसिफ ने किया। तीन मिनट बाद ही चेन्नइयन ने पेनाल्टी हासिल किया, जिस पर गोल करते हुए जोसेफ लावेवेनहीमा ने स्कोर 2-1 कर दिया। यह गोल 24वें मिनट में हुआ। चेन्नई की टीम यहीं नहीं रुकी और उसने दूसरे हाफ में एक और गोल करते हुए 3-1 की लीड ले ली। उसके लिए मैच का दूसरा गोल आसिफ ने 80वें मिनट में किया। चेन्नइयन ने सात मैचों में से पांच अंकों के साथ अपना अभियान समाप्त किया, जबकि मुंबई प्रतियोगिता में एक भी जीत दर्ज करने में विफल रही। मुम्बई की टीम आठ-टीमों की तालिका में सबसे नीचे रही। केरला ब्लास्टर्स और बेंगलुरू एफसी के बीच खिताबी मुकाबला आज शाम को खेला जाएगा। ये दोनों टीमें आरएफडीएल के पहले संस्करण से शीर्ष दो टीमों के तौर पर इस साल के अंत में पहली बार यूनाइटेड किंगडम में आयोजित होने वाले नेक्स्ट जेन कप में खेलती नजर आएंगी। देश में फुटबॉल के विकास को समर्थन देने के लिए हीरो इंडियन सुपर लीग के साथ अपनी पुरानी साझेदारी के हिस्से के रूप में नेक्स्ट जेन कप की मेजबानी प्रीमियर लीग (पीएल) द्वारा की जाएगी।

थाईलैंड टैलेंट कप 2022 राउंड टू में पोडियम फिनिश हासिल कर सार्थक चव्हाण ने रचा इतिहास

बुरिराम, (हि.स.)। होंडा रेसिंग इंडिया राइडर सार्थक चव्हाण ने थाईलैंड टैलेंट कप 2022 राउंड टू में पोडियम फिनिश हासिल करके एक नया रिकॉर्ड बनाया है। होंडा रेसिंग इंडिया के इतिहास में यह पहली बार है कि किसी भारतीय राइडर ने यह जीत हासिल की है। एक विज्ञप्ति के अनुसार, पिछले सप्ताहांत में बुरिराम (थाईलैंड) में चांग इंटरनेशनल सर्किट में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए, पुणे के 15 वर्षीय सार्थक ने ग्रिड पर अपनी 12वें स्थान से रेस शुरू करने के बाद दूसरे दौर में शीर्ष पांच में स्थान बना लिया। गीली परिस्थितियों में भी सार्थक ने बेहतरीन एशियाई सवारों को चुनौती दी और रेस लीडर से महज 0.583 सेकेंड पीछे रहकर तीसरे स्थान पर रहे। सार्थक की टीम के साथी कविन क्विंटल (16 वर्षीय) ने भी रेस में अच्छा आत्मविश्वास दिखाया। 16 राइडर्स की ग्रिड पर 15वें स्थान से शुरूआत करते हुए चेन्नई के कविन ने अच्छी शुरूआत की और पहले ही लैप में पांच राइडर्स को पीछे छोड़ दिया। वहां से दौड़ दो के अंत तक, कविन कड़ी प्रतिस्पर्धा के माध्यम से बने रहे और 29:50.42 के कुल समय के साथ नौवें स्थान पर रहे। दूसरे राउंड में भारतीय राइडर्स के प्रदर्शन पर ऑपरेटिंग ऑफिसर-ब्रांड एंड कम्युनिकेशंस, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया, प्रभु नागराज ने कहा, "हम राउंड टू में अपने राइडर्स के परिणामों से बेहद खुश हैं।" होंडा रेसिंग इंडिया टीम ने थाईलैंड टैलेंट कप 2022 के दूसरे दौर में कुल 13 अंकों के साथ प्रवेश किया। दूसरे राउंड की क्वालीफाइंग रेस में ग्रिड पर 12वां और 15वां स्थान हासिल करने के बाद सार्थक चव्हाण और कविन क्विंटल ने रेस एक में आक्रामकता दिखाई और ऊपर चढ़कर क्रमशः 9वें और 13वें स्थान पर रहे। इसके साथ सार्थक ने छह अंक और कविन ने चार अंक अपनी झोली में डाल दिए। इसके बाद भारतीय सवारों की जोड़ी ने शीर्ष 10 (सार्थक तीसरे और कविन नौवें) में रेस समाप्त की, इस प्रकार टीम के लिए 32 अंक जोड़े। थाईलैंड टैलेंट कप 2022 के दूसरे दौर की समाप्ति के साथ, सार्थक चव्हाण के अब कुल 35 अंक हैं, जबकि उनके साथी कविन क्विंटल के पास 10 अंक हैं।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

वाराणसी, (हि.स.)। बेंगलुरू में आयोजित खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में कराटे के टीम काता इवेंट में स्वर्ण पदक जीतने जीतने वाले काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के छात्र ध्रुव कुमार पाण्डेय, गौरांग तिवारी और प्रमोद कुमार कुशवाहा का बुधवार रात एक कार्यक्रम में यहां सम्मानित किया किया गया। इन खिलाड़ियों ने आल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में शीर्ष 8 में स्थान प्राप्त कर खेलो इंडिया में क्वालीफाई किया था। गौरांग तिवारी एल.एल.बी, ध्रुव कुमार पांडेय बीए द्वितीय वर्ष और प्रमोद कुमार कुशवाहा एमपीएड के छात्र हैं। ये तीनों छात्र आर. बी. मार्शल आर्ट अकेडमी में प्रशिक्षण करते हैं। इस समारोह के मुख्य अतिथी भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित राय ने खिलाडियों व उपस्थित सभी ट्रेनर को सम्मानित किया। इस अवसर उन्होने कहा कि निरंतर अभ्यास से निश्चित रूप से सफलता मिलती ही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता आर. बी. मार्शल आर्ट अकेडमी के निदेशक सेंसई अरविन्द कुमार ने किया। इसी कार्यक्रम में गत रविवार को जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिता तथा वाराणसी टीम चयन में चयनित हुए अकादमी के 21 खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया साथ ही साथ विजेता खिलाड़ियों के साथ उनके अभिभावकों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में खिलाड़ियो द्वारा कराते खेल के विभिन्न विधाओं का प्रदर्शन किया तथा साथ ही साथ कोबूडो का भी प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में सेंसई सेंसई सुजीत, सेंसई उमेश, सेंसई निमेष, सेंसई शिवानी, सेम्पई सचिन सिंह,सेम्पई आदर्श के साथ ही साथ अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी , सूरज पांडेय , सागर कुमार को अमित राय द्वारा सम्मानित किया गया । अभिभावकगण में मनोज कुमार, नीरूपमा, अलका रयान, कनक ग्रोवर, बालेश्वर मिश्रा, विमल तिवारी सहित अकादमी के अन्य खिलाड़ी उपस्थित थे।

सीएसके ने रवींद्र जडेजा को इंस्टाग्राम हैंडल पर किया अनफॉलो, अफवाहों ने पकड़ा जोर

मुंबई, (हि.स.)। लगभग 10 वर्षों तक चेन्नई सुपर किंग्स का अभिन्न अंग रहे ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को उनके इंस्टाग्राम हैंडल पर फ्रैंचाइजी ने अनफॉलो कर दिया है। जडेजा पसली की चोट के कारण आईपीएल के मौजूदा संस्करण से भी बाहर हो गए हैं, जो उन्हें 4 मई को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ मैच के दौरान लगी थी। सीएसके ने एक आधिकारिक बयान में कहा, "रवींद्र जडेजा की पसली में चोट लगी थी और वह रविवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स के मैच के लिए उपलब्ध नहीं थे। वह निगरानी में थे और चिकित्सकीय सलाह के आधार पर उन्हें आईपीएल के बाकी सत्र से बाहर कर दिया गया है।" ऑलराउंडर के अचानक चले जाने और अनफॉलो किए जाने से फ्रैंचाइजी के साथ दरार की अफवाहों ने जोर पकड़ लिया है। इससे सोशल मीडिया पर कयास लगाए जा रहे हैं कि टीम के साथ कुछ मुद्दों के कारण जडेजा ने सीजन को अचानक छोड़ दिया है। हालाँकि, सीएसके ने उनकी कप्तानी में अपने आठ मैचों में छह गंवाए हैं। इसके बाद उन्होंने अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करने के लिए टीम की कप्तानी को 'त्याग' दिया और एमएस धोनी से फिर से टीम का नेतृत्व करने का अनुरोध किया। धोनी के नेतृत्व में, सीएसके ने तीन में से दो मैच जीते। जडेजा का अब तक कोई अच्छा सत्र नहीं रहा है, उन्होंने 10 मैचों में 19.33 के औसत से 26* के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ केवल 116 रन बनाए हैं। उन्होंने अब तक केवल पांच विकेट ही लिए हैं। चेन्नई सुपर किंग्स का सामना गुरुवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस से होगा।

दिल्ली के खिलाफ मिली हार के बाद संजू सैमसन को मजबूत वापसी की उम्मीद

मुंबई, (हि.स.)। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ करारी हार का सामना करने के बाद, राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने कहा कि उन्हें आगामी मैचों में मजबूत वापसी की उम्मीद है। मिशेल मार्श (89) और डेविड वार्नर (52*) के बीच 144 रनों की साझेदारी की बदौलत दिल्ली की टीम ने बुधवार को मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स को आठ विकेट से हराया। संजू सैमसन ने मैच के बाद कहा,"हमारे लिए मैच बहुत निराशाजनक रहा। हमने कुछ रन कम बनाए और बीच में कुछ विकेट खोए। जब हम बल्लेबाजी कर रहे थे तो विकेट दो गति का था। हम 15-20 रन कम थे। दूसरी गेंदबाजी करते समय हमने कुछ कैच छोड़े। वास्तव में निराशाजनक मैच था, लेकिन हम अगले मैच में मजबूती से वापसी करेंगे।" उन्होंने कहा, "मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह (मार्श का एलबीडब्ल्यू) पैड हो सकता था, हमने सोचा कि यह बल्ले से निकला है। हमें आईपीएल में कोई भी मैच हारने के बाद मजबूत वापसी की जरूरत है, और मुझे उम्मीद है कि हम मजबूत वापसी करेंगे। हमने अतीत में ऐसा किया है हेटमायर जल्द ही वापसी करेंगे।" दूसरी तरफ दिल्ली के लिए यह एक यादगार मैच था, जिन्होंने इस जीत के साथ अपनी प्लेऑफ की उम्मीदों को जिंदा रखा है। इस जीत के साथ दिल्ली फिलहाल 12 अंकों के साथ अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है जबकि राजस्थना 14 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

टीम में हमेशा सुधार की गुंजाइश : ऋषभ पंत

मुंबई, (हि.स.)। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत को लगता है कि राजस्थान रॉयल्स पर बड़ी जीत दर्ज करने के बाद भी उनकी टीम में हमेशा सुधार की गुंजाइश है। मिशेल मार्श (89) और डेविड वार्नर (52*) के बीच 144 रनों की साझेदारी की बदौलत दिल्ली की टीम ने बुधवार को मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स को आठ विकेट से हराया। पंत ने मैच के बाद कहा, "यह हमारे लिए एक आदर्श मैच था। हमेशा विश्वास करें कि सुधार की गुंजाइश है। टॉस में मैंने 140-160 के आसपास का स्कोर हमारे लिए अच्छा होगा और हमें 160 का स्कोर ही मिला।" पृथ्वी शॉ की स्थिति के बारे में बात करते हुए कप्तान ने कहा कि वह टाइफाइड से पीड़ित हैं। पंत ने कहा, " डॉक्टर ने शॉ के बारे में बताया कि उसे टाइफाइड या ऐसा कुछ हो गया है। हालांकि अब उसकी स्थिति में सुधार है।" पंत ने आगे कहा, "भाग्य हमेशा आपके हाथ में होता है, आप 100 प्रतिशत देने की कोशिश कर सकते हैं। क्षेत्ररक्षण के लिहाज से हम बेहतर हो सकते हैं।" 161 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली की शुरूआत खराब रही। दिल्ली ने सलामी बल्लेबाज केएस भरत का विकेट शून्य पर गंवा दिया। बाद में, मार्श और वार्नर ने दूसरे विकेट के लिए 144 रनों की साझेदारी कर मैच अपने पक्ष में कर लिया। राजस्थान के लिए रविचंद्रन अश्विन और देवदत्त पडिक्कल ने बल्ले से बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पहली पारी में क्रमशः 50 और 48 रन बनाए, जिससे उनकी टीम 20 ओवरों में 6 विकेट पर 160 रनों के कुल स्कोर तक पहुंच सकी। राजस्थान पर मिली जीत के साथ ही दिल्ली की टीम 12 अंकों के साथ अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है, वहीं, राजस्थान 14 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

राजस्थान रॉयल्स पर मिली जीत नेट रन रेट के लिए महत्वपूर्ण : डेविड वार्नर

मुंबई, (हि.स.)। दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने राजस्थान रॉयल्स पर मिली जीत को प्लेऑफ की दौड़ में अपनी टीम के नेट रन रेट के लिए 'महत्वपूर्ण' बताया है। मिशेल मार्श (89) और डेविड वार्नर (52*) के बीच 144 रनों की साझेदारी की बदौलत दिल्ली की टीम ने बुधवार को मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स को आठ विकेट से हराया। मैच के बाद वार्नर ने कहा,"लीग में जीत दर्ज करना अच्छा लगता है। मिचेल मार्श ने अच्छी बल्लेबाजी की, उसने सकारात्मक शुरूआत की। हमने उसे अभी कहा कि अगर वह 80 या 90 रन बना सकता है, तो वह हमारे लिए खेल सकता है। गेंदबाजों ने भी बहुत अच्छा काम किया।" उन्होंने कहा, "यह जीत महत्वपूर्ण है, क्योंकि नेट रन रेट प्ले ऑफ की दौड़ में शामिल कई टीमों के लिए एक बड़ा कारक है। यह हमारे लिए एक बड़ी जीत है।" 161 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली की शुरूआत खराब रही। दिल्ली ने सलामी बल्लेबाज केएस भरत का विकेट शून्य पर गंवा दिया। बाद में, मार्श और वार्नर ने दूसरे विकेट के लिए 144 रनों की साझेदारी कर मैच अपने पक्ष में कर लिया। राजस्थान के लिए रविचंद्रन अश्विन और देवदत्त पडिक्कल ने बल्ले से बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पहली पारी में क्रमशः 50 और 48 रन बनाए, जिससे उनकी टीम 20 ओवरों में 6 विकेट पर 160 रनों के कुल स्कोर तक पहुंच सकी।

राष्ट्रीय सब जूनियर पुरुष हॉकी चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंची झारखंड की टीम

रांची, (हि.स.)। राष्ट्रीय सब जूनियर पुरुष हॉकी चैंपियनशिप में हॉकी झारखंड की टीम ने गुरुवार को क्वार्टर फाइनल के संघर्ष पूर्ण मुकाबले में हॉकी चंडीगढ़ को पेनाल्टी शूट आउट में 4-2 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। इससे पहले दोनों ही टीमों ने तीन-तीन गोल किए। हॉकी झारखंड के उपाध्यक्ष मनोज कोनबेगी ने बताया कि चार से 15 मई तक गोवा में आयोजित 12वीं हॉकी इंडिया राष्ट्रीय सब जूनियर पुरुष हॉकी चैंपियनशिप में आज हॉकी झारखंड क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हॉकी चंडीगढ़ को पेनाल्टी शूट आउट में 4-2 गोल से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पेनाल्टी शूटआउट में झारखंड टीम के गोल कीपर राकेश बड़ा ने चंडीगढ़ के दो शॉट को रोककर टीम को सेमीफाइनल में पहुंचाने में महत्पूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि शूटआउट में झारखंड ने चार गोल, जबकि चंडीगढ़ दो ही गोल कर सकी। पेनाल्टी शूट-आउट में झारखंड के रोहित तिर्की, असीम एक्का, अमृत तिर्की और अभिषेक तिग्गा ने किया। इससे पूर्व संघर्षपूर्ण मैदानी खेल में दोनों ही टीम तीन-तीन गोल की बराबरी पर थे। इसके बाद दोनों टीमों का प्लांटी शूट-आउट से निर्णय किया गया। झारखंड टीम में अनमोल टेटे, असीम एक्का, रोहित तिर्की, अमृत तिर्की, अमित बा, घूरन लोहरा, अमन तिग्गा, रोहित प्रधान, अभिषेक तिग्गा, एडिशन मिंज, राहुल मिंज आदि शामिल हैं। झारखंड टीम के सेमी फाइनल में पहुंचने पर हॉकी झारखंड के अध्यक्ष भोलानाथ सिंह, शशिकांत प्रसाद, विजय शंकर आदि ने बधाई दी है।

डी वाई पाटिल स्टेडियम का विकेट,पर्थ की याद दिलाता है : मिशेल मार्श

मुंबई, (हि.स.)। राजस्थान के खिलाफ 89 रनों की मैच विजेता पारी खेलने के बाद, दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज मिशेल मार्श ने कहा कि मुंबई के डॉ डी वाई पाटिल स्टेडियम का विकेट उन्हें पर्थ की याद दिलाता है। मिशेल मार्श (89) और डेविड वार्नर (52*) के बीच 144 रनों की साझेदारी की बदौलत दिल्ली की टीम ने बुधवार को मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स को आठ विकेट से हराया। मैच के बाद मार्श ने कहा, "यह एक कठिन मैच था। शारीरिक रूप से यह कठिन होता है जब आप थोड़ी गेंदबाजी करते हैं और थोड़ी बल्लेबाजी करते हैं। धीमी गेंदें और कटर,पर स्कोर करना कठिन था। 160 का स्कोर बराबर था। पावरप्ले के पहले चार-पांच ओवर में मैंने जितनी कड़ी बल्लेबाजी की थी, वह स्विंग थी, वहां थोड़ी सी सीम थी और उछाल थी। मुझे यह विकेट पर्थ स्टेडियम की याद दिलाता है।" 161 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली की शुरूआत खराब रही। दिल्ली ने सलामी बल्लेबाज केएस भरत का विकेट शून्य पर गंवा दिया। बाद में, मार्श और वार्नर ने दूसरे विकेट के लिए 144 रनों की साझेदारी कर मैच अपने पक्ष में कर लिया। राजस्थान के लिए रविचंद्रन अश्विन और देवदत्त पडिक्कल ने बल्ले से बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पहली पारी में क्रमशः 50 और 48 रन बनाए, जिससे उनकी टीम 20 ओवरों में 6 विकेट पर 160 रनों के कुल स्कोर तक पहुंच सकी।

ब्रिटेन में प्रीमियर लीग फुटबॉल में खेलती हुई टीमें।

(फोटो-ईएमएस)

तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश ने दर्ज की बड़ी जीत

भोपाल, (हि.स.)। 12वें हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2022 के सातवें दिन गुरुवार को तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश ने बड़ी जीत दर्ज की। दिन के पहले मैच में तमिलनाडु का सामना पूल एफ के मैच में अरुणाचल से हुआ। यह मैच तमिलनाडु ने 12-0 से जीता। तमिलनाडु की तरफ से रुबाश्री एन (5', 11', 60') ने हैट्रिक बनाई,जबकि सबरीमनिदेवी एस (4', 22'), एस सोनिया (19', 23'), लीमारोशनी एस (44', 55'), और निवेथा (51', 57') ने दो-दो गोल किए, वहीं, मलारविजी एस (18') ने एक गोल किया। दिन के दूसरे मैच में उत्तर प्रदेश ने पूल जी के मैच में गुजरात को 12-0 से हराया। सिमरन सिंह (10', 23') ने दो गोल किये, जबकि पल्लवी कुमारी (14'), कैप्टन रीतू सिंह (20'), ब्रम्हचारमयुम सरिता देवी (27'), वर्षा आर्य (32'), सोनल तिवारी (47') और अंशिका सिंह (52') ने मैच में एक-एक गोल किया।

DELHI CRIME 13 may 2022:Layout 1 5/12/2022 8:25 PM Page 7

बिहार निवेश के लिए तैयार कर रहा अनुकूल वातावरण : शाहनवाज हुसैन

पटना/नई दिल्ली, (हि.स.)। बिहार इंवेस्टर्स मीट में प्रदेश के उद्योग मंत्री शाहनवाज हुसैन ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन और बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व ने राज्य में तीव्र औद्योगिक विकास और अपार रोजगार क्षमता के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है। शाहनवाज हुसैन ने कहा कि औद्योगिक विकास की गति को और तेज करने के लिए नई दिल्ली में ऐतिहासिक बिहार इंनवेस्टर्स मीट-2022 का आयोजन किया जा रहा है। यह राज्य में निवेश के अपार अवसरों को प्रदर्शित करने वाला एक कार्यक्रम है। यह हम सभी के लिए बड़े गर्व की बात है कि उद्योग लगातार प्रदेश में रुचि दिखा रहे हैं। एक निवेशक शिखर सम्मेलन के बिना भी, राज्य औद्योगिक संवर्धन बोर्ड (एसआईपीबी) को 36,253 करोड़ का प्रस्ताव मिला है। शाहनवाज हुसैन ने कहा कि बिहार को पूर्वी क्षेत्र में नए निवेशकों के गंतव्य के रूप में पेश किया जा रहा है। राज्य के उद्योग विभाग द्वारा राज्य में सिंगल-विंडो क्लीयरेंस मैकेनिज्म के जरिए सात दिनों में प्रस्तावों को मंजूरी देने के लिए बिजनेस फ्रेंडली इको-सिस्टम लगाया गया है। बैठक राज्य में उपलब्ध औद्योगिक क्षमता और व्यावसायिक अवसरों का प्रदर्शन करेगी। शाहनवाज ने कहा कि बिहार के विकास का सीधा संबंध हमारे देश के विकास से है।भारत को विकसित राष्ट्र बनने के लिए, बिहार जैसे राज्यों को भी औद्योगिक रूप से विकसित होने की जरूरत है और लोग देखेंगे कि बिहार इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बिहार के पास निवेश को आकर्षित करने के लिए जमीन है। हम महान बुनियादी और व्यापार अनुकूल नीतियां विकसित कर रहे हैं। शाहनवाज ने कहा कि यह मेरा दृढ़ विश्वास है कि हम जल्द ही एकल खिड़की मंजूरी और व्यापार करने में आसानी के मामले में शीर्ष पांच राज्यों में गिने जाएंगे।जिस तरह से पीएम नरेंद्र मोदी ने गुजरात को बदल दिया, नीतीश कुमार बिहार को बदल रहे हैं।आज बिहार वह सब उपलब्ध कराता है जो उद्योगों के विकास के लिए आवश्यक है। उद्योग मंत्री ने कहा कि आईटीसी और अडानी समूह जैसे बड़े उद्योगों ने औद्योगिक क्षमता में विश्वास दिखाया है।हमने बिहार में पर्याप्त पानी और फसल होने की प्राकृतिक ताकत के आधार पर राज्य में पहली इथेनॉल नीति बनाई है।भारत का सबसे बड़ा इथेनॉल संयंत्र बिहार में चालू किया जा रहा है। कपड़ा, चमड़ा और रसद नीतियों का मसौदा तैयार किया जा रहा है और जल्द ही इसे लागू किया जाएगा। बिहार में औद्योगिक विकास से राज्य के पलायन और बेरोजगारी को दूर करने की कार्ययोजना पर सरकार काम कर रही है और इसी के लिए इंवेस्टर्स मीट का आयोजन किया गया है। उल्लेखनीय है कि बिहार के उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद, उद्योग मंत्री शाहनवाज हुसैन आदि ने दीप प्रज्जवलित कर इंनवेस्टर्स समिटि 2022 सम्मेलन का उदघाटन किया। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इंवेस्टर्स मीट को संबोधित करेंगी।

प्रधानमंत्री आज मध्य प्रदेश स्टार्टअप कॉन्क्लेव में लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मध्य प्रदेश स्टार्टअप कॉन्क्लेव में हिस्सा लेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13 मई को शाम 7 बजे इंदौर में आयोजित हो रहे मध्य प्रदेश स्टार्टअप कॉन्क्लेव के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मध्य प्रदेश स्टार्टअप नीति का शुभारंभ करेंगे और स्टार्टअप समुदाय को संबोधित करेंगे। वह मध्य प्रदेश स्टार्टअप पोर्टल भी लॉन्च करेंगे। यह स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने में मदद करेगा। मध्य प्रदेश स्टार्टअप कॉन्क्लेव में सरकारी और निजी क्षेत्र के नीति निमार्ताओं, नवप्रवर्तकों, उद्यमियों, शिक्षाविदों, निवेशकों, सलाहकारों और अन्य हितधारकों सहित स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के विभिन्न स्तंभों की भागीदारी देखी जाएगी। इसमें स्पीड मेंटरिंग सत्र सहित कई तरह के सत्र होंगे, जहां स्टार्टअप शैक्षणिक संस्थानों और स्टार्टअप स्पेस के नेताओं के साथ संवाद करेंगे; स्टार्टअप सत्र कैसे शुरू करें, जहां स्टार्टअप को नीति निमार्ताओं द्वारा निर्देशित किया जाएगा; वित्त पोषण सत्र, जहां उद्यमी विभिन्न वित्त पोषण विधियों के बारे में जानेंगे; पिचिंग सेशन, जहां स्टार्टअप्स को निवेशकों के साथ सहयोग करने और फंडिंग के लिए अपने विचार रखने का अवसर मिलेगा; और इकोसिस्टम सपोर्ट सेशन, जहां प्रतिभागी ब्रांड वैल्यू और राज्य में स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के बारे में जानेंगे। नए रुझानों और नवाचारों को प्रदर्शित करने वाला एक स्टार्टअप एक्सपो भी कार्यक्रम स्थल पर प्रदर्शित किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लुम्बनी दौरे से पहले बुटवल में बम विस्फोट

महराजगंज, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 16 मई को लुम्बनी कस्बे में सम्भावित आगमन से पहले बम विस्फोट हुआ है। माना जा रहा है कि यह कायराना हरकत क्षेत्र में दहशत फैलाने की कोशिश है। घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। घटनास्थल पर कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (सीपीएन) माओवादी गुट का पत्र मिला है। इंडो बॉर्डर सोनौली कस्बे से दूर पड़ोसी राष्ट्र नेपाल के बुटवल कस्बे में बुधवार देर रात हुए बम विस्फोट के बाद नेपाली पुलिस घटना की जांच में जुट गई है। बुटवल क्षेत्र के डीएसपी ढाक बहादुर केसी के मुताबिक बुटवल कस्बे के मिलन चौक पर बुधवार रात 12 बजे के बाद यह बम विस्फोट हुआ। धमाका इतना जोरदार था कि अगल-बगल के रिहायशी मकानों की खिड़कियों में लगे शीशे टूट गए। 11 रेस्तरां की खिड़कियां भी बम विस्फोट में टूटी हैं। घटना को अंजाम देने वालों के बारे में अभी कोई सुराग नहीं लगा है। पुलिस कुछ भी कहने से परहेज कर रही है। पुलिस घटना में अज्ञात लोगों का हाथ बता रही है।

कृषि विकास की दिशा में सराहनीय है इजराइल का योगदान : तोमर

नई दिल्ली, (हि.स.)। केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि कृषि विकास की दिशा में इजराइल की सराहनीय भूमिका रही है। भारत और इजराइल ने मिलकर बागवानी के क्षेत्र में उतकृष्ट कार्य किए हैं। इजराइल की ओर से भारत में स्थापित किए गए उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना के मॉडल ने गति पकड़ी है और अब देश के 12 राज्यों में 29 इजरायली उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) पूरी तरह से कार्य कर रहे हैं। तोमर ने बुधवार को सोशल मीडिया पर अपने तीन दिवसीय इजराइल यात्रा के अनुभवों को साझा करते कहा कि उन्होंने कृषि क्षेत्र को और मजबूत बनाने के लिए इजराइल के नेताओं, अधिकारियों, किसानों, शोधार्थियों सहित उद्यमियों से संवाद किया। तोमर ने कहा कि आज उन्होंने इजरायल के कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री ओडेड फोरर के साथ कृषि के मुद्दे पर भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक की। कृषि मंत्री ने कहा कि पार्लियामेंट हाउस, यरुशलम में इजराइल के कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री ओडेड फोरर के साथ हुई बैठक में दोनों देशों के बीच कृषि विकास के दायरे और क्षमता को देखते हुए इजराइल के कृषि मंत्री और अन्य हितधारकों के साथ कृषि, जल प्रबंधन, पर्यावरण और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में आधुनिक कृषि तकनीकों, क्षमता निर्माण, ज्ञान के हस्तांतरण और समर्थन से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। तोमर ने कहा कि इजराइल के कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री फोरर के साथ बैठक का आयोजन संसद भवन, यरुशलम में हुआ। इस दौरान दोनों देशों में कृषि विकास की क्षमता के मद्देनजर कृषि, जल प्रबंधन, पर्यावरण व ग्रामीण विकास के क्षेत्र में आधुनिक कृषि तकनीकों, क्षमता निर्माण, ज्ञान हस्तांतरण व समर्थन के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि भारत सरकार को क्षमता निर्माण और ज्ञान के हस्तांतरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत में माशाव की गतिविधियों को अपनाने की संभावनाओं का पता लगाना है, जिसके लिए प्रत्येक राज्य में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए जाएंगे। तोमर ने कहा कि पिछले दो दिनों में उन्होंने प्रतिनिधिमंडल सहित, कृषि में इजराइल की मजबूती और नवाचार को देखा है। इजराइल के रेगिस्तानी क्षेत्रों को वेजिटेबल बास्केट में बदलने के प्रयासों की वह सराहना करते हैं।

राजीव कुमार होंगे अगले मुख्य चुनाव आयुक्त, 15 मई को संभालेंगे कार्यभार

नई दिल्ली, (हि.स.)। चुनाव आयुक्त राजीव कुमार अगले मुख्य चुनाव आयुक्त होंगे। वह 14 मई को सेवानिवृत्त होने जा रहे सुशील चन्द्रा का स्थान लेंगे। राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द ने उनके नाम को मंजूरी दे दी है। केन्द्रीय कानून मंत्री किरण रिजिजू ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने राजीव कुमार को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द ने संविधान के अनुच्छेद 324 के खंड (2) के अनुसरण में राजीव कुमार को 15 मई, 2022 से मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्त किया है। राजीव कुमार ने 1 सितंबर 2020 को चुनाव आयोग में चुनाव आयुक्त के रूप में कार्यभार संभाला था। चुनाव आयोग में कार्यभार संभालने से पहले राजीव कुमार लोक उद्यम चयन बोर्ड के अध्यक्ष रह चुके हैं। राजीव कुमार 1984 बैच के बिहार/झारखंड कैडर की भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी हैं। फरवरी 2020 में वह प्रशासनिक सेवा से सेवानिवृत्त हुए थे।

आप सरकार ने 'मिशन बुनियाद' बच्चों की गर्मियों की छुटिटयां 15 दिन की

नई दिल्ली (ईएमएस)। गर्मी की छुट्टियों का इंतजार शिक्षकों से लेकर छात्रों को होता है, लेकिन इस साल दिल्ली के सरकारी स्कूलों में छुट्टियां लगभग दो महीने की जगह बस 15 दिनों की होंगी। इसका कारण मिशन बुनियाद हैं। दरअसल, दिल्ली के सरकारी स्कूलों में गर्मी की छुट्टियां आम तौर पर 10 मई को होती हैं, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हो रहा है। कक्षा 3 से लेकर कक्षा 12 तक के लिए अब गर्मी की छुट्टियां सिर्फ 15 दिनों की होंगी। स्कूल केवल 15 जून से लेकर 30 जून तक बंद रहने वाले हैं। दरअसल, पिछले दो सालों में कोरोना लॉकडाउन के चलते पढ़ाई का काफी नुकसान हुआ, इसकारण आप सरकार मानती है कि छात्रों में लर्निंग गैप हो गया है, यानि वो जिस क्लास में हैं, उससे उनकी क्षमता कम है। इस अंतर को कम करने के लिए लगभग 35 दिनों की अतिरिक्त क्लास सरकारी स्कूलों में लगाई जा रही है। हालांकि, प्राइवेट स्कूल छुट्टियों को लेकर खुद अपना फैसला लेने वाले हैं। नर्सरी से लेकर दूसरी क्लास तक के छात्रों को ही पूरी गर्मी छुट्टी मिल पाएगी। तीसरी से लेकर नौवीं तक के छात्रों के लिए क्लास उन्हें आगे के लिए तैयार करने के लिए लगेगी। वहीं कक्षा 10वीं से लेकर 12वीं के लिए बोर्ड परीक्षाओं के मद्देनजर पहले भी तैयारी के लिए कक्षाएं गर्मी की छुट्टियों में होती रही हैं जो इस बार भी होंगी। दिल्ली में इस साल गर्मी रिकॉर्ड तोड़ रही है। इसके बाद सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावकों की चिंता उनके स्वास्थ्य को लेकर भी है। चूंकि मिशन बुनियाद के तहत कक्षाएं शुरू भी हो गई हैं, तब छात्रों का इस लेकर मिला-जुला रुख देखने को मिल रहा है। सरकारी स्कूलों के प्रबंधन से जुड़े हुए सूत्र बताते हैं कि गर्मी की वजह से लगभग आधे छात्र ही स्कूल आ रहे हैं। छात्रों पर इस दौरान स्कूल आने के लिए दबाव नहीं दिया जा रहा है, कोशिश यहीं की जा रही है कि वहां स्वेच्छा से इसका हिस्सा बनें।

कानून मंत्री मनमानी ढंग से नहीं खींच सकते कोई लक्ष्मण रेखा : चिदंबरम

नई दिल्ली, (हि.स.)। राजद्रोह कानून के उपयोग पर सुप्रीम कोर्ट की ओर से रोक लगाने के बाद राजनीतिक गहमागहमी बढ़ गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू के उस बयान पर आपत्ति जताई है जिसमें उन्होंने कहा था कि हम कोर्ट और इसकी स्वतंत्रता का सम्मान करते हैं लेकिन एक लक्ष्मण रेखा (लाइन) है, जिसका सभी को अक्षरशः सम्मान करना चाहिए। पी चिदंबरम ने गुरुवार को ट्वीट कर कहा कि केन्द्रीय मंत्री रिजिजू के पास ऐसा कोई अधिकार नहीं है कि वह अपने अनुसार मनमाने ढंग से कोई रेखा खींच सकें। उन्होंने कहा कि देश के कानून मंत्री को संविधान के अनुच्छेद 13 को जरूर पढ़ना चाहिए। चिदंबरम ने कहा कि कई विद्वानों का मानना है कि राजद्रोह कानून संविधान के अनुच्छेद 19 और 21 का उल्लंघन करता है। उल्लेखनीय है कि बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने राजद्रोह कानून पर केन्द्र सरकार को पुनः विचार करने को कहा है। कोर्ट से साफ कहा है जब तक इस कानून पर पुनर्विचार नहीं होता तब तक केन्द्र और राज्य सरकार इस कानून के तहत मामले नहीं दर्ज कर सकते हैं। जिन लोगों पर इस धारा के तहत कार्रवाई हुई है वह जमानत के लिए कोर्ट जा सकते हैं। कोर्ट के इस कदम का कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी स्वागत किया है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि सच बोलना देश भक्ति है। देश द्रोह नहीं है। सच कहना देश प्रेम है यह देश द्रोह नहीं है। उन्होंने कहा कि सच को कुचलना राज हठ है।

हमारे सहयोगी संरक्षक एवम् ब्यूरो प्रमुख

प्रधान सम्पादक – नरेन्द्र कुमार

सहयोगी संरक्षक

अनिल सेठी

नरेश ए बाबू-कार्यकारी निदेशक

कला सहयोगी-मोहित शुक्ला, रजनीश

सदस्य एवं रिपोर्टर

•राजकुमार कश्यप (दिल्ली) •दीपक कुमार (पटियाला)
• वीरेन्द्र कुमार ठाकुर •वीरेंद्र सिंह बघेल (फरीदाबाद)
• अनीता सिंह •राम नाथ •मुकेश गुप्ता, मीनाक्षी निगम
•मोहम्मद शमशेर (दिल्ली) • मुकेश जोशी (उत्तराखण्ड)
• अशोक कुमार, काजल शर्मा (गुरूग्राम)
• अवध किशोर त्रिपाठी (अहमदाबाद)
•श्याम लाल (मेरठ) •रामनरेश सिंह (पडरौना, उत्तरप्रदेश)
•नवीन सुरेल, तालबहेट, ललितपुर, (झाँसी)
• ओम शुक्ला, मनीष शुक्ला, शिवम शुक्ला (कानपुर)
• ओमपाल वर्मा, इन्द्रमणी मंडल (रायपुर छत्तीसगढ़)
• फ्रूमू लामों सिलीगुड़ी, रोशन कुमार मिश्रा (पश्चिम बंगाल)
■ पिंटू बनर्जी (पश्चिम बंगाल)

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक हैं।

समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री, लेख, रचनाओं, एवम् विज्ञापनों में लेखकों और विज्ञापन दाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा की किसी भी तरह की जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही मान्य होगा।

विशेष :- किसी भी परिस्थिति में निर्णय लेने का अधिकार केवल संपादक को है।

S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092

संपर्क – 011-35631400
Customer Care No.
83750 00628

ADVERTISMENT RATE
TARIFF PLAN

FULL PAGE | HALF PAGE | QUARTER PAGE

FULL FRONT PAGE	₹ 1,20,000/-
FULL INNER PAGE	₹ 60,000/-
FULL BACK PAGE	₹ 90,000/-
HALF FRONT PAGE	₹ 66,000/-
HALF PAGE INNER	₹ 36,000/-
HALF PAGE BACK	₹ 51,000/-
QTR. PAGE FRONT	₹ 36,000/-
QTR. PAGE INNER	₹ 21,000/-
QTR. PAGE BACK	₹ 30,000/-

Classifieds Ads. Per Column / 3 CM. Rs.2100/-
Visiting Card Size Advertisements:
Front Page Rs. 6000/- Back Page Rs. 4500/-
Inner Page Rs.3000/-

DELHI CRIME 13 may 2022:Layout 1 5/12/2022 8:25 PM Page 8

करण जौहर रॉकी और रानी की प्रेम कहानी को कर रहे डायरेक्ट

-फिल्म में सिर्फ शाहरुख का स्पेशल अपीयरेंस होगा

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड फिल्म डायरेक्टर करण जौहर रॉकी और रानी की प्रेम कहानी को डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म में रणवीर सिंह और आलिया भट्ट लीड रोल में हैं। अब जाहिर सी बात है कि करण जौहर कोई फिल्म डायरेक्ट कर रहे हैं तो उसमें कुछ न कुछ स्पेशल होना तो तय है। पिछले दिनों कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा भी गया था कि रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में शाहरुख खान और काजोल का कैमियो होगा, लेकिन एक रिपोर्ट के अनुसार फिल्म में सिर्फ शाहरुख खान का स्पेशल अपीयरेंस होगा। हालांकि, फिल्म का विकिपीडिया पेज अब भी यह कहता है कि फिल्म में शाहरुख खान और काजोल दोनों का कैमियो होगा। पब्लिकेशन को सूत्रों के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, काजोल फिलहाल कोई प्रोजेक्ट को लेने के मूड में नहीं हैं, इसलिए उन्होंने खुद को इस फिल्म से अलग कर लिया है। हालांकि, वो अपने बेस्ट फ्रेंड करण जौहर की फिल्म के लिए काफी एक्साइटेड हैं, जबकि शाहरुख खान करण जौहर को पहले ही हां बोल चुके हैं। सभी जानते हैं कि शाहरुख खान कभी करण जौहर को मना नहीं करते हैं। खास बात यह है कि आने वाले कुछ दिनों शाहरुख खान फिल्म के लिए एक स्पेशल गाने की भी शूटिंग शुरू करेंगे। दोनों की बॉन्डिंग ऐसी है कि करण जौहर से शूट से जुड़ी कोई जानकारी भी शाहरुख खान ने नहीं ली है। शाहरुख खान की बात करें तो उन्होंने ऐ दिल है मुश्किल में भी स्पेशल अपीयरेंस दिया था। अपने बिजी शेड्यूल से शाहरुख खान समय निकालकर अब रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की भी शूटिंग आने वाले दिनों में शुरू करेंगे। ये शाहरुख खान के फैंस के लिए किसी गुड न्यूज से कम नहीं है। शाहरुख खान के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनके पास फिलहाल कई दिलचस्प फिल्में हैं। शाहरुख खान की अगली फिल्म पठान होगी। पठान में लंबे समय बाद वो दीपिका पादुकोण के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। फिल्म में जॉन अब्राहम भी अहम भूमिका में हैं। शाहरुख खान डायरेक्टर एटली की भी फिल्म कर रहे हैं जिसका फिलहाल अभी कोई नाम नहीं रखा गया है। यह फिल्म 25 जनवरी 2023 को रिलीज होगी। इसके अलावा शाहरुख खान, राजकुमार हिरानी की फिल्म डंकी में भी नजर आएंगे।

शर्मिला फिर से करेगी गुलमोहर से शुरूआत

-फिल्म को बनाया जा रहा फॉक्स स्टार स्टूडियोज के प्रोडक्शन में

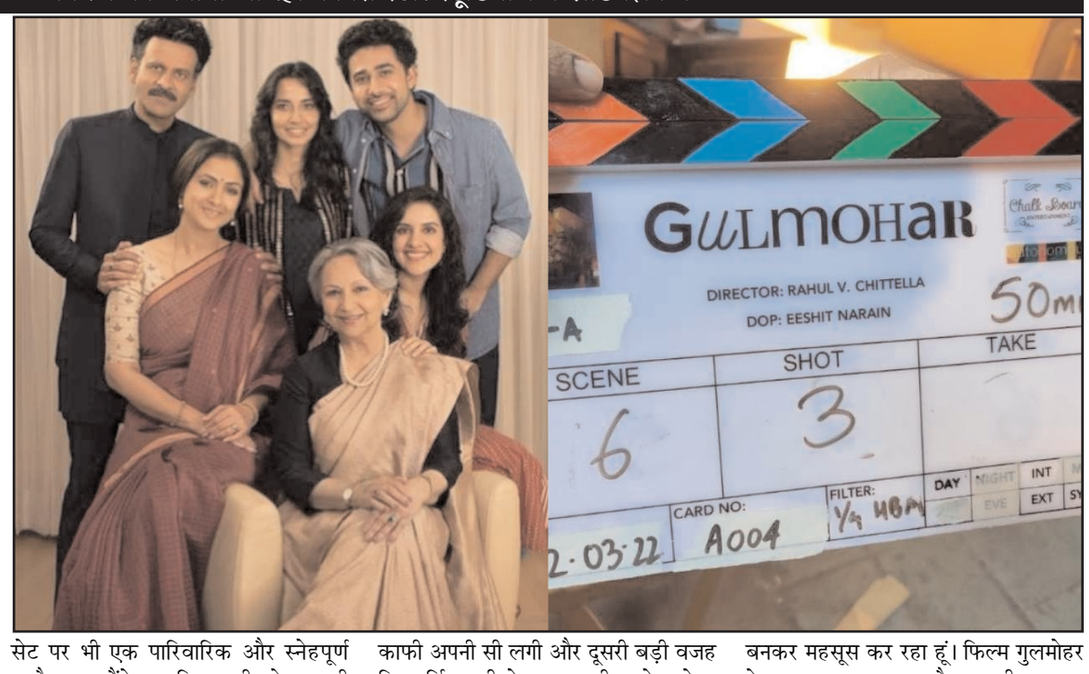

मुंबई (ईएमएस)। मशहूर बालीवुड एक्ट्रेस शर्मिला टैगोर अब 11 साल के लंबे ठहराव के बाद पुनः बेहतरीन पारी की शुरूआत करने जा रही हैं। इन नई फिल्म का नाम गुलमोहर बताया जा रहा है। फिल्म को फॉक्स स्टार स्टूडियोज के प्रोडक्शन में, चाल्कबोर्ड एंटरटेंटमेंट और ऑटोनोमस वर्क्स के सहयोग के साथ मिलकर बनाया जा रहा है। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और इस साल अगस्त में रिलीज की जाएगी। फिल्म के डायरेक्टर हैं राहुल चित्तेला, और संगीत दिया हैं सिद्धार्थ खोसला ने। राहुल चित्तेला और अर्पिता मुखर्जी द्वारा लिखित इस फिल्म में मनोज बाजपेयी, वेटरन एक्टर अमोल पालेकर, सूरज शर्मा और एक्ट्रेस सिमरन ऋषि बग्गा भी अहम भूमिकाओं में होंगे। गुलमोहर पूरी तरह से एक पारिवारिक फिल्म है, जिसकी कहानी मल्टी जेनरेशन, बत्रा फैमिली के इर्द गिर्द घूमती है, जो लोग अपने 34 साल पुराने पारिवारिक घर को छोड़कर कहीं और जाने के लिए तैयार हैं और यही हालात उन्हें अपने रिश्तों की मजबूती को फिर से परखने का मौका देता है, जो एक वक्त एक सूत्र में बंधा था। जब आपसी रिश्तों के राज और असुरक्षित भावनाएं पनपती है, तब असल धागों का रंग पता चलता है और यही है इस फिल्म की दास्तान। फिल्म गुलमोहर से जुड़कर एक्ट्रेस शर्मिला टैगोर कहती हैं, मुझे बेहद खुशी हो रही हैं इस प्रोजेक्ट से जुड़कर और फिल्म के सेट पर भी एक पारिवारिक और स्नेहपूर्ण माहौल था। मैंने जब फिल्म की नरेशन सुनी तो तुरंत हामी भर दी, क्योंकि कहानी का पारिवारिक स्पर्श मुझे छू गया। ये एक खूबसूरत फिल्म हैं जो आज के लोगो को बेहद पसंद आएगी। मनोज बाजपेयी कहते हैं, इस फिल्म को साइन करने के पीछे काफी वजह है। पहली वजह, फिल्म की बेहतरीन कहानी जो काफी अपनी सी लगी और दूसरी बड़ी वजह कि शर्मिला जी के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करना अपने आप में असमान्य बात हैं। फिल्म के डायरेक्टर राहुल हमेशा एक बुद्धिमान प्रतिभा और सत्यनिष्ठ व्यक्ति के रूप में सामने आए। इससे ज्यादा क्या अधिक मैं मांग सकता हूं? मुझे उम्मीद है कि दर्शक भी इसे उतना ही पसंद करेंगे, जितना मैं इसका हिस्सा बनकर महसूस कर रहा हूं। फिल्म गुलमोहर के अद्भुत स्टार कास्ट और कहानी पर बात करते हुए निर्देशक राहुल चित्तेला कहते हैं, गुलमोहर एक अंतरंग कहानी है। परिवार और घर के बारे में केवल दो चीजें जो हमेशा मायने रखती हैं। मैं अपने आपको सौभाग्यशाली समझता हूं कि इतने प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ मुझे काम करने का मौका मिला।

लॉकअप का पहला सीजन जीतने के बाद छा गए मुनव्वर

-कैश प्राइज के रूप में मिले उन्हें 20 लाख

मुंबई (ईएमएस)। लॉकअप का पहला सीजन जीतने के बाद मुनव्वर फारूकी छाए हुए हैं। बीते दिनों रियलिटी शो का ग्रैंड फिनाले हुआ। लॉकअप की ट्रॉफी जीतने के अलावा कैश प्राइज के रूप में उन्हें 20 लाख मिले। मुनव्वर फारूकी को साथ में मारुति सुजुकी की कार भी प्राइज में दी गई। उन्होंने पायल रोहतगी, अंजलि अरोड़ा, शिवम शर्मा और अजमा फल्ला को शो में हराकर ट्रॉफी अपने नाम की। मुनव्वर फारूकी के फैंस उनकी जीत से काफी खुश हैं। मुनव्वर जब लॉक अप शो कर रहे थे तभी कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया था कि वो रोहित शेट्टी के शो खतरों के खिलाड़ी के अगले सीजन में नजर आएंगे। अब उन्होंने खुद इस खबर पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। मुनव्वर फारूकी ने कहा है कि पता नहीं बाहर क्या खिचड़ी पकाई है। मेरे पास सच में इससे जुड़ी कोई डिटेल नहीं है। मुझे लगता है कि आपको मुझसे पहले ही सारी डिटेल मिल जाएगी। मुनव्वर फारूकी ने शो में जाने को लेकर अधिक बातें नहीं की।शो जीतने के बाद स्टैंडअप कॉमेडियन ने ये भी शेयर किया कि उन्होंने कंगना रनौत से क्या सीखा। कंगना रनौत पर मुनव्वर फारूकी ने कई शो में जोक भी मारा था लेकिन अब उन्होंने कंगना की तारीफ करते हुए कहा, कंगना अपने काम को लेकर बहुत गंभीर हैं और वो बहुत प्रोफेशनल भी हैं। मैंने उनसे ये चीजें सीखी है। जब तक हम दोनों एक दूसरे के ऑपिनियन का सम्मान करते हैं सबकुछ ठीक है। वहीं, खतरों के खिलाड़ी 12 की बात करें तो कई स्टार्स के नाम इस शो के लिए आ रहे हैं। मुनव्वर फारूकी के अलावा श्रिवांगी जोशी, बिग बॉस 14 की विनर रुबीना दिलैक, एस ऑप स्पेस फेम चेतना पांडे और बिग बॉस 15 के प्रतिभागी राजीव अदातिया का नाम भी शो के लिए आ चुका है।

मानुषी छिल्लर अक्षय के साथ करेंगी बॉलीवुड डेब्यू

मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर जल्द ही अक्षय कुमार के साथ फिल्म पृथ्वीराज से बॉलीवुड डेब्यू कर रही हैं। 3 जून को रिलीज हो रही इस फिल्म में अक्षय राजा पृथ्वीराज चौहान और मानुषी संयोगिता के रोल में हैं। मानुषी फिल्म में अपनी उम्र से दोगुने अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगी। एक्ट्रेस महज 24 साल की हैं जबकि अक्षय इनसे बड़े 54 साल के हैं।

ट्रेनर के साथ वर्कआउट करती नजर आईं सुजैन खान

सुजैन खान ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर वीडियो पोस्ट किया है। वीडियो में सुजैन के ट्रेनर उन्हें वर्कआउट कराते नजर आ रहे हैं। वीडियो शेयर कर सुजैन ने कैप्शन में लिखा, "वेडनसडे.. मिड वीक ऑक्सीटोसिन...मुझे एक्सरसाइस करके अच्छा फील हो रहा है। माई मसल्स आर हैप्पी।" बता दें, सुजैन एक इंटीरियर और फैशन डिजाइनर कुछ समय पहले सुजैन अपने बॉयफ्रेंड अर्सलान गौनी के साथ गोवा में पार्टी करती नजर आईं थी। वहीं सुजैन के एक्स हसबैंड ऋतिक रोशन भी अपनी गर्लफ्रेंड के साथ सुजैन के रेस्टोरेंट की ओपनिंग में पहुंचे थे। उन्होंने चारों की साथ में सेल्फी भी शेयर की थी।

रणबीर कपूर ने शेयर किया वीडियो 'देहाती डिस्को'

रणबीर कपूर का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वो डांस-ड्रामा फिल्म 'देहाती डिस्को' का हुक स्टेप करते हुए नजर आ रहे हैं। वहीं इस वीडियो के जरिए रणबीर डांस मास्टर को अपना समर्थन देते हुए हमेशा की तरह काफी एक्साइटेड लग रहे हैं। वीडियो में वो ब्लू शर्ट और जींस में दिखाई दे रहे हैं। इस फिल्म को मनोज शर्मा ने डायरेक्ट किया है। यह फिल्म 27 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। वहीं बात करें रणबीर की तो वो इस समय सेलेब्रिटी फुटबॉल कप 2022 के लिए दुबई में हैं।

कियारा ने मम्मी पापा के शादी की तस्वीर की शेयर

-शादी के जोड़े में दोनों लग रहे हैं बेहद खूबसूरत

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी अपनी अपकमिंग फिल्मों का प्रमोशन जमकर कर रही हैं। उनकी हॉरर कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 2 20 मई को रिलीज होने जा रही है जबकि जुग जुग जियो 24 जून को रिलीज होगी। इसी बीच शादी को लेकर कियारा ने सोशल मीडिया पर बड़ा ही कठिन सवाल पूछ डाला तो फैंस कंफ्यूज हो गए। कियारा आडवाणी बेहद खूबसूरत हैं लेकिन उन्हें ये खूबसूरती विरासत मिली में मिली हैं। एक्ट्रेस ने अपने मम्मी पापा के शादी की तस्वीर शेयर की है। शादी के जोड़े में दोनों बेहद खूबसूरत लग रहे हैं। कियारा ने अपने मम्मी-पापा की खूबसूरत सी तस्वीर शेयर कर कैप्शन में शादी को लेकर सवाल पूछा। एक्ट्रेस के इस सवाल पर कई लोगों ने जवाब दिया तो कई लोगों ने उन्हें फोन करने के लिए कहा जिसमें अंगद बेदी भी हैं। कियारा आडवाणी ने अपने मम्मी-पापा के शादी की समय ली गई तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर कर कैप्शन में लिखा ये मेरे पैरेंट्स की मेरी फेवरेट तस्वीरों में से एक है।

मैंने उनकी शादी को हमेशा एक परफेक्ट मैरिज पाया है। उनका आशीर्वाद हमेशा मेरे साथ है।.अब मुझे आपकी भी जरूरत है। प्लीज कोई मुझे सलाह दो, क्योंकि सब कहते हैं शादी के बाद सब बदल जाता है। क्या सच्ची बदल जाता है? कियारा आडवाणी के इस पोस्ट और तस्वीर पर फैंस जमकर रिएक्ट कर रहे हैं और उनके सवाल पर बॉलीवुड एक्टर अंगद बेदी ने रिप्लाई देते हुए कहा-आओ मैं तुम्हें बताता हूं। इसके साथ ही हंसते हुए इमोजी शेयर की है। कियारा आडवाणी के वर्कफ्रंट की बात करें तो राज मेहता की फिल्म जुग जुग जियो में वरुण धवन के अपोजिट नजर आएंगी। इस फिल्म में अनिल कपूर , नीतू कपूर और मनीष पॉल भी हैं। इस फिल्म में शादी के बाद की जिंदगी को दिखाया जाएगा।

मनोज बाजपेयी बोले-सब 1000 करोड़, 400 करोड़ में फंसे हैं

बॉलीवुड एक्टर मनोज बाजपेयी ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा कि लोग फिल्मों के कंटेंट या परफॉर्मेंस के बारे में बात करने के बजाय लोग सिर्फ इस बात पर ध्यान देते हैं कि फिल्म ने कितनी कमाई की। उन्होंने कहा कि हर कोई नंबरों में फंसा हुआ है। साथ ही मनोज ने ओटीटी प्लेटफॉर्म्स को एक वरदान बताते हुए कहा कि टैलेंटेड एक्ट्रेस को काम में व्यस्त देखना दिल को छू लेने वाला है। मनोज ने कहा, "कोई बात ही नहीं कर रहा है कि फिल्म कैसी है? कोई बात करने को राजी ही नहीं है कि परफॉर्मेंसेस कैसी है। बाकी डिपार्टमेंट्स का क्या सहयोग है? क्या है ना, हम सब 1 हजार करोड़, 300 करोड़ और 400 करोड़ में फंसे हुए हैं। ये झगड़ा कई साल से चल रहा है और मुझे लगता है कि ये खत्म होने वाला है नहीं।" मनोज ने आगे कहा, "अब क्रिटिक्स कह रहे हैं कि आप उनके जैसी फिल्में क्यों नहीं बनाते हैं? आपकी फिल्म क्यों नहीं चल रही है? यह मेनस्ट्रीम में काम करने वालों से पूछा जा रहा है। मेनस्ट्रीम सिनेमा वालों को उनके ही मेनस्ट्रीम क्रिटिक्स कटघरे में खड़ा करके सवाल पूछते हैं। जहां तक मेरी बात है तो मैं तो कभी इस दुनिया का हिस्सा नहीं था।"

विद्या बालन ने लंदन में शुरू की 'नीयत' की शूटिंग

मल्टी टेलेंटेंड अभिनेत्री विद्या बालन इन दिनों लंदन में हैं। वह वहां अमेजन प्राइम वीडियो की फिल्म 'नीयत' की शूटिंग में व्यस्त हैं। अमेजन प्राइम वीडियो ने हाल ही में अपने पहले प्राइम वीडियो प्रेजेंटस इंडिया इवेंट में अपने इस प्रोजेक्ट का ऐलान किया था। शूटिंग के सेट से पहली तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई है। शकुंतला देवी, शेरनी और जलसा के बाद एक बार फिर अमेजन-अबुर्दतिया-विद्या के साथ 'नीयत' लेकर आ रहे हैं। विद्या बालन इस फिल्म के जरिए शकुंतला देवी के निर्देशक अनु मेनन के साथ एक बार फिर से काम करने जा रही हैं। विद्या बालन ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर इसकी एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें वह फिल्म मेकर्स के साथ 'नीयत' का क्लैप बोर्ड पकड़े हुए दिखाई दे रही हैं। 'नीयत' सस्पेंस-थ्रिलर फिल्म है। 'नीयत' की आधिकारिक लॉगलाइन में लिखा है- "जब अरबपति आशीष कपूर की जन्मदिन की पार्टी में शामिल होने आए मेहमानों की एक के बाद एक मौत होने लगती है, तब जासूस मीरा राव कातिल के शैतानी इरादों का पता लगाने में जुट जाती हैं... क्योंकि संदिग्ध आशीष कपूर के करीबी दोस्त और परिवार में से कोई है।" उल्लेखनीय है कि 'नीयत' के निर्देशक अनु मेनन हैं। फिल्म की कहानी को अनु मेनन, अद्वैत कला और गिरवानी ध्यानी ने मिलकर लिखा है। नीयत के डायलॉग कौसर मुनीर के हैं। फिल्म में विद्या बालन के अलावा राम कपूर, राहुल बोस, मीता वशिष्ठ, नीरज काबी, शाहना गोस्वामी, अमृता पुरी, दीपानिता शर्मा, शशांक अरोड़ा, प्राजक्ता कोली और दानेश रजवी भी होंगे। अभी फिल्म की रिलीज डेट को लेकर कोई भी जानकारी सामने नहीं आई है।

सूडोकु नवताल- 6069

कठिनतम

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -6068 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

शब्दजाल - 6816

कु	क	ल	ह	वा	म	ह	ल	सी	गे	ज
र	तु	ल	दे	र	ण	थ	म्भौ	र	ट	वा
त	स	ब	ल	र्म	छ	रा	रा	औ	वे	द
वि	ज	ज	मी	पु	र	रा	प	र	ऑ	ब
वे	गा	इं	ग	ना	लं	ज	जं	गी	फ	र्नि
का	क	व	डि	ह	र	पू	त	ता	इं	ग
नें	अ	स	त	या	प	त	र	ज	डि	ट्रे
द	ता	दा	ई	ह	गे	सा	मं	ड	या	ला
स्मा	बा	चे	न	ब्रा	जी	ट	त	ल	प	ल
र	पा	ला	ल	शो	ले	दु	र	झी	स्त्री	कि
क	रा	जी	व	ता	ज	म	ह	ल	म	ला

शब्दजाल में दस पर्यटन स्थलों के नाम ढूंढिए. दिये गए नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

ताजमहल,लालकिला,कुतुबमीनार,जंतर मंतर,इंडिया गेट, हवा महल, गेटवे ऑफ इंडिया,डलझील,विवेकानंद स्मारक, रणथम्भौर

शब्दजाल - 6815 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5769

	3		4	5		
2	30	7	31		34	2
1			3		7	
	28	6	31	6	39	3
4		1			5	7
3	30		32	7	34	
	5		6		2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5768 का हल

2	3	6	4	1	7	5
7	30	2	25	2	34	4
4	5	1	3	6	7	2
6	28	5	35	3	39	6
1	2	4	6	7	5	3
5	30	3	42	5	34	7
3	5	7	6	4	2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

स्वामी एवं संपादक इंद्रा द्वारा S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092 से जारी
Customer Care No:- 8375000628, For News & Advertisement- 8588881461, Email-info@delhicrimepress.in, Website- www.Delhicrimepress.in